RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:161 ता. 22 दिसम्बर 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अफसरों की मनमानी की वजह से मोहल्ला क्लीनिक में नहीं हो रहीं थीं जांच

नई दिल्ली। मोहल्ला क्लीनिक में अफसरों की मनमानी की वजह से जांच और कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही थी। दिल्ली विधानसभा की याचिका समिति ने प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारियों को बुलाकर जमकर फटकार लगाई। विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि विधान सभा की याचिका समिति ने हेल्थ और फाइनेंस विभाग के प्रमुख सचिवों को बुलाया और उनकी गवाही रिकॉर्ड की। कमेटी की कार्रवाई के दौरान सामने आया कि स्वास्थ्य विभाग ने तनख्वाह के लिए जो फाइल वित्त विभाग को भेजी थी, उसके अंदर फाइनेंस डिपार्टमेंट ने कुछ ऐसे दस्तावेज मांगे जो कि पहले कभी नहीं मांगे गए थे। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों की तनख्वाह को फाइल-फाइल के खेल में तीन महीने तक रोका गया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीने से दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को उनका मेहनताना नहीं दिया गया। कई महीनों से टेस्ट करने वाली कंपनियों का पैसा भी रोक दिया गया, जिसके चलते उन कंपनियों ने मोहल्ला क्लिनिक के अंदर टेस्ट करने बंद कर दिए। दिल्ली में गरीब हर हफ्ते टेस्ट कराकर अपनी दवाइयों पर आश्रित हैं, उन्हें दवाइयों और जांचों से मरहूम रखा गया। दिल्ली विधानसभा में याचिका समिति ने मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारियों का भुगतान रोकने पर वित्त और हेल्थ विभाग के अधिकारियों को तलब किया। इस दौरान दिल्ली विधानसभा की याचिका समिति के सदस्य सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले तीन महीने से दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों के अंदर डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों का मेहनताना नहीं दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कमेटी ने इसके ऊपर फैसला सुरक्षित रखा है। इन अधिकारियों से कुछ कागजात मंगाए हैं। उसके आधार पर कमेटी अपना फैसला देगी।

हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा

राहुल गांधी बोले- कांग्रेस शासित राज्यों में सीएम कैबिनेट के साथ हर महीने एक दिन 15 किमी. पैदल चलेंगे

चंडीगढ़। हरियाणा में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का 3 दिन का पहला फेज शुरू हो गया है। राजस्थान-हरियाणा बॉर्डर पर नूंह में भारत जोड़ो यात्रा की फ्लैग सेरेमनी हुई। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की अगुवाई में हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान और भूपेंद्र हुड्डा को फ्लैग सौंपा गया। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि आजकल नेताओं और जनता के बीच में खाई बन गई है। यात्रा ने उस खाई को पाटने का काम किया है। यात्रा में शामिल नेता लंबे भाषण नहीं देते, लोगों से मिलते हैं। इस यात्रा ने हिंदुस्तान की राजनीति में काम करने का विजन दिया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अब महीने में एक बार पूरी कैबिनेट के साथ 15 किलोमीटर पैदल जनता के बीच जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार है अब वहां के

मुख्यमंत्री, मंत्री सड़कों पर चलेंगे और जनता के बीच जाएंगे।

नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकान खोल रहा हूं

राहुल गांधी ने कहा कि मुझसे बीजेपी के नेताओं ने पूछा कि यात्रा की क्या जरूरत है?। मैंने उनको जवाब दिया कि आपके नफरत के बाजार में मुहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जब भी यह लोग इस देश में नफरत फैलाने निकलते हैं तो हमारे विचारधारा के लोग मुहब्बत व प्यार फैलाना शुरू करते हैं। यह नई लड़ाई नहीं है यह लड़ाई हजारों साल पुरानी है। इसमें दो विचारधारा लड़ती आ रही हैं। एक विचार धारा चुने हुए लोगों को फायदा पहुंचाती है। दूसरी विचारधारा जो जनता की आवाज है उसके लिए लड़ाई करती है। यह लड़ाई चलती आ रही है चलती जाएगी।

राहुल बोले मैं तपस्वी नहीं

ठंड में यात्रा में आए लोगों का राहुल गांधी ने धन्यवाद दिया। तपस्वी कहे जाने पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं देश का तपस्वी नहीं हूं। इस देश में मेरे से बड़े करोड़ों तपस्वी सुबह चार बजे उठकर खेतों में काम करते हैं। मैंने कोई बड़ा काम नहीं किया है। इससे बड़ा काम देश के छोटे दुकानदार, किसान और करोड़ों कामगार लोग करते हैं। राहुल ने कहा कि सड़कों पर चलने से बहुत कुछ सीखने को मिला। गाड़ी या हवाई जहाज में बैठकर सीखने को नहीं मिलता है।

महंगाई और बेरोजगारी पर राहुल का फोकस

● हरियाणा में यात्रा के पहले दिन राहुल गांधी ने अपना भाषण दो बड़े मुद्दों पर फोकस किया। पहला बेरोजगारी और दूसरा महंगाई। उन्होंने कहा कि आज हजारों पढ़े लिखे युवा बेरोजगार हैं। इसकी वजह देश के चार–पांच बड़े उद्योगपति हैं। वह जो भी चाहते हैं उन्हे मिलता है। छोटे व्यापारियों को परे कर दिया है। राहुल ने कहा कि नोट बंदी, जीएसटी पॉलिसी नहीं है यह छोटे व्यापारियों को खत्म करने का व्यापार है। महंगाई पर उन्होंने कहा कि यूपीए की सरकार में चार सौ रुपए का गैस सिलेंडर था अब बारह सौ का हो गया है। पेट्रोल सौ रुपए हो गया है, जबकि यूपीए में साठ रुपए का मिलता था। अब फिर से वही दौर वापस लाने की जरूरत है। राहुल गांधी ने कहा कि कोई भी ताकत इस यात्रा को रोक नहीं सकती है। यह यात्रा कांग्रेस की नहीं, यह यात्रा हिंदुस्तान के लोगों की है। करोड़ों बेरोजगार युवाओं की यह यात्रा है। पहले दिन राहुल गांधी नूंह जिले में 26 किलोमीटर पैदल चलेंगे।

एम्स के अस्पताल परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध

● श्रीनिवास द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, एम्स नई दिल्ली अस्पताल परिसर और परिसर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुसार सिंगल-यूज प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाएगा। यह कदम निश्चित रूप से राष्ट्रीय प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए 3आरएस के महत्व को दोहराएगा।

नई दिल्ली: दिल्ली एम्स ने अस्पताल परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार अस्पताल कैंपस में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्रीनिवास द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, एम्स नई दिल्ली अस्पताल परिसर और परिसर में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियमों के अनुसार सिंगल-यूज़ प्लास्टिक (एसयूपी) वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाएगा। यह कदम निश्चित रूप से राष्ट्रीय प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए 3आरएस (कम, पुन- उपयोग, रीसायकल) के महत्व को दोहराएगा। 21.8 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि के साथ भारत का प्लास्टिक अपशिष्ट उत्पादन 2015 के आकार के दोगुने से भी अधिक बढ़ गया है। निष्कर्षों के अनुसार भारत सालाना 3.5 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है। भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई, 2022 को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2021 के कार्यान्वयन में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक (एसयूपी) वस्तुओं के उत्पादन, आयात, भंडारण, बिक्री, वितरण और उपयोग पर रोक लगाने का प्रयास किया गया है।

फर्जी खबरें फैला रहे 3 यूट्यूब चैनलों का पर्दाफाश, सब्सक्राइबर की संख्या थी करीब 33 लाख

नई दिल्ली। फर्जी खबर फैला रहे लाखों सब्सक्राइबर वाले 3 यूट्यूब चैनलों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसा है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पीआईबी विभाग की तरफ से ये जानकारी दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि उनकी फैक्ट चैक यूनिट ने तीन यूट्यूब चैनलों का भंडाफोड़ किया है, जो गलत सूचना फैला रहे थे। इन चैनलों के लगभग 33 लाख सब्सक्राइबर थे। इनके वीडियो को 30 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। इन यूट्यूब चैनल के नाम न्यूज हेडलाइन्स, सरकारी अपडेट और आजतक लाइव हैं।

थंबनेल का करते थे इस्तेमाल

फर्जी सूचनाओं को फैलाने वाले इन चैनलों पर कार्रवाई की जा रहा है। मंत्रालय ने बयान में कहा कि, ये यूट्यूब चैनल अपने वीडियो पर विज्ञापन दिखा रहे थे और यूट्यूब पर गलत सूचनाओं के माध्यम से कमाई कर रहे थे। ये चैनल इस तरह के थंबनेल का

इन चैनलों के लगभग 33 लाख सब्सक्राइबर थे। इनके वीडियो को 30 करोड़ से अधिक बार देखा गया था। इन यूट्यूब चैनल के नाम न्यूज हेडलाइन्स, सरकारी अपडेट और आजतक लाइव हैं।

इस्तेमाल करते थे जिससे दर्शकों को ये विश्वास को जाए कि, उनकी तरफ से साझा की गई खबर प्रामाणिक है। इससे पहले फर्जी खबरें फैलाने वाले सौ से अधिक यूट्यूब चैनलों को पिछले एक वर्ष में ब्लॉक किया गया है।

प्रसारित किए गए झूठे और सनसनीखेज वीडियो

मंत्रालय के मुताबिक इन यूट्यूब चैनलों में दावा किया जा रहा था कि मुख्य न्यायाधीश के आदेशानुसार चुनाव बैलट पेपर से होंगे। एक वीडियो में कहा गया कि मुख्य न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री के खिलाफ कड़ी कारवाई की है और उन्हें दोषी घोषित किया है। कुछ वीडियो में ये यूट्यूब चैनल सुप्रीम कोर्ट, भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, सरकारी योजनाओं, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, कृषि ऋण माफी जैसे तमाम मामलों के बारे में झूठे और सनसनीखेज दावे फैला रहे थे।

किया गया बड़ा दावा-इतना ही नहीं एक वीडियो में तो यहां तक दावा किया गया कि, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, उप्र में रात को रोडवेज बसें न चलाने का फैसला

नई दिल्ली। इस समय समूचा उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह कई स्थानों पर कोहरा छाया रहा। सुबह आठ बजे के बाद तक आसमान में सूरज की लुकाछुपी जारी रही।

मौसम विज्ञान विभाग का अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान है। इसका असर हवाई, रेल और बस सेवा पर पड़ा है। मंगलवार रात चंडीगढ़, वाराणसी और लखनऊ में खराब मौसम के कारण उड़ानों को डायवर्ट किया गया। कई ट्रेनें देरी से चल रही है। मौसम के बदले मिजाज की वजह से उत्तर प्रदेश शासन ने रात को रोडवेज

बसों को नही चलाने का फैसला लिया है।

मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर भारतीय राज्यों में ठंड का रेड अर्लट जारी किया है। साथ ही दिल्ली के लिए 23 दिसंबर तक का येलो अलर्ट जारी किया है। यानी इस दौरान सुबह बाहर निकलते वक्त खास ध्यान रखने की जरूरत है।

2024 के लिए केसीआर का बड़ा प्लान, 6 राज्यों में लॉन्च होगी किसान सेल

हैदराबाद। 2024 के आम चुनाव के लिए तेलंगाना के सीएम केसीआर बड़ी रणनीति के तहत काम कर रहे हैं। वह किसानों के मुद्दों को आगे रखकर 2024 का रास्ता देख रहे हैं। इसी क्रम में उन्होने अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति की पुनर्संरचना करके इसका नाम भारत राष्ट्र समिति कर दिया था। अब वह 6 अन्य राज्यों में अपने नेटवर्क फैलान का प्लान बना चुके हैं। केसीआर ने बीआरएस किसान सेल बनाने का ऐलान किया है जो कि पार्टी की किसान विंग होगी। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में पार्टी अपनी किसान विंग बनाएगी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि राज्यों में किसान सेल बनाना बीआरएस के नारे अबकी बार, किसान सरकार को बल देता है। पूरे देश में पार्टी के विस्तार का यह पहला कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने क्रिसमस के दौरान राज्यों में बीआरएस की गतिविधियां बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने दावा किया

कि बहुत सारे पूर्व विधायक, सीनियर नेता अपनी टीम के साथ बीआरएस में आना चाहते हैं और वे केसीआर के साथ बातचीत कर रहे हैं। पार्टी के प्रवक्ता के मुताबिक पड़ोसी आंध्र प्रदेश के भी कई नेता केसीआर के संपर्क में हैं और उन्होंने बीआरएस के साथ काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, बीआरएस किसान सेल की लॉन्चिंग के लिए एक मंच तैयार किया गया है। कई जिलों में इसके लिए इंतजाम किए गए हैं। वहीं महाराष्ट्र, ओडिशा, कर्नाटक और अन्य राज्यों के कई लोग भी इसमें शामिल होने की इच्छा जता रहे हैं।

बीआरएस अध्यक्ष लेखकों, साहित्यिक हस्तियों और गीतकारों से भी बात कर रहे हैं। बीआरएसके की गतिविधियों में 70-80 जानीमानी हस्तियां भी शामिल होंगी। साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए भी बीआरएस की विचारधारा का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

भगवंत मान से मिले केसीआर-इसी बीच पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ भी केसीआर ने दिल्ली में मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मान केसाथ देश के हालात, पंजाब में प्रशासन और तेलंगाना की प्रगति के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। मान ने केसीआर को शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर बीआरएस के अभियान के लिए बधाई दी।

संसदीय समिति की सिफारिश- हवाई अड्डों पर सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की जरूरत

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने सुझाव दिया है कि भारत के सभी हवाई अड्डों पर त्रुटिहीन सुरक्षा प्रणाली के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी समाधान (टेक्नोलाजिकल सोल्यूशंस) होना चाहिए तथा बम निष्क्रिय दस्तों को और अधिक हवाई अड्डों पर तैनात किया जाना चाहिए। वाईएसआर कांग्रेस के नेता वी विजयसाई रेड्डी की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति की सिफारिशों पर सरकार द्वारा गई कार्रवाई के बारे में संसद में पेश की गई रिपोर्ट में यह बात कही गयी है।

समिति ने इससे पूर्व नागरिक विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के संबंध में अपने सुझाव दिए थे। पर्यटन, परिवहन एवं संस्कृति विभाग से संबंधित इस समिति ने इससे पहले सुझाव दिया था कि और अधिक हवाई अड्डों पर बम निष्क्रिय दस्ते होने चाहिए। सरकार ने अपने जवाब में समिति को सूचित किया कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के तहत आने वाले हवाई अड्डों के लिए नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने नियामक प्रविधानों की सिफारिश की है।

सरकार ने कहा, सभी नए प्रस्तावों में बम निष्क्रिय दस्तों के प्रविधान को शामिल किया गया है। हवाई अड्डों पर भी क्रमबद्ध ढंग से बम

निष्क्रिय दस्तों को सहयोग प्रदान किया जा रहा है। यद्यपि समिति की सिफारिशों को क्रियान्वयन के लिए संज्ञान में लिया गया है। सरकार के जवाब पर संज्ञान लेते हुए समिति ने इस बात पर चिंता जताई कि 44 हवाई अड्डों पर बम निष्क्रिय दस्ते नहीं हैं, जो प्रमुख सुरक्षा खतरा बन सकता है। समिति ने ध्यान दिलाया कि महज एक हवाई अड्डा भी समूचे भारतीय वायुक्षेत्र के लिए कमजोर कड़ी बन सकता है।

संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सी-प्लेन नीति पर जोर-समिति ने नागरिक विमानन मंत्रालय से कहा कि वह तेजी से सी-प्लेन नीति तैयार करे और हवाई अड्डों के साथ-साथ विमानन कंपनियों को भी निर्देश दे कि वे दिव्यांग लोगों को विमान में सवार होने के लिए सहायता मुहैया कराएं। इस साल मार्च में, मंत्रालय ने लघु विमान योजना (एसएएस) शुरू की जिसमें सी-प्लेन का संचालन शामिल है। समिति ने कहा कि सी-प्लेन नीति को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

समिति ने रिपोर्ट में कहा, विभिन्न हितधारकों के परामर्श से एक सी-प्लेन नीति तेजी से तैयार की जा सकती है, जो देश के दूर-दराज और अंतिम छोर के क्षेत्रों में रहने वाले आम लोगों तक हवाई संपर्क प्रदान करेगी। समिति ने कहा कि वह दृढ़ता से सिफारिश करती है कि मंत्रालय कम से कम सभी हवाई अड्डों/एयरलाइनों को आवश्यक निर्देश जारी करे कि वे वृद्ध/दिव्यांग यात्रियों को यात्री बोर्डिंग रैंप, व्हीलचेयर और हाइड्रोलिक लिफ्ट के उपयोग के साथ विमान में चढ़ने के लिए सहायता प्रदान करें।

चीन के साथ तनातनी के बीच तवांग में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए लगाए जाएंगे 23 नए मोबाइल टावर

ईटानगर । अरुणाचाल के तवांग सेक्टर में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद सरकार ने कई कदम उठाए हैं। तवांग जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अरुणाचल प्रदेश में एलएसी के पास कनेक्टिविटी में सुधार के लिए सरकार ने और मोबाइल टावर लगाने का फैसला किया है। यह निर्णय 9 दिसंबर को यांग्त्से में भारत और चीन के सैनिकों के बीच संघर्ष के बाद लिया गया है। तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि बीएसएनएल और भारती एयरटेल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 23 नए मोबाइल टावर लगाएंगे। केएन दामो ने कहा कि मौजूदा टावरों से मनचाही सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं जिससे न केवल सुरक्षाबलों बल्कि सीमा पर रहने वाले नागरिकों के लिए भी समस्याएं पैदा हो रही थीं। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती इलाकों में मोबाइल नेटवर्क नहीं था लेकिन अब स्थिति बदल गई है और बुम-ला और वाई-जंक्शन पर भी लोग इंटरनेट सेवा और मोबाइल कनेक्टिविटी का आनंद ले रहे हैं लेकिन इसमें और सुधार की जरूरत है। दामो ने कहा कि रक्षा प्रतिष्ठानों को प्राथमिकता दी गई है जबकि मागो चूना और निलिया (जेमिथांग के पास) जैसे नागरिक क्षेत्रों की भी उपेक्षा नहीं की गई है। तवांग के उपायुक्त केएन दामो ने कहा कि जिला प्रशासन ने 43 नए टावर मांगे थे। अधिकारी ने कहा कि नए टावर लगाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं लेकिन सर्दी एक चुनौती होगी जिससे प्रक्रिया में देरी हो सकती है। हालांकि जिले के पहाड़ी इलाकों में हिमपात हो रहा है मुख्यालय में रविवार रात पहली बार हिमपात हुआ और तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

बीएसएफ ने गोलीबारी कर पाक तस्करों को खदेड़ा 25 किलो हेरोइन बरामद

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक बार फिर पाकिस्तानी तस्करों के नापाक मंसूबे को नाकाम कर दिए। पंजाब के फाजिल्का में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रग्स भेजने का प्रयास कर रहे पाकिस्तानी तस्करों को बीएसएफ ने गोलीबारी कर खदेड़ दिया। घटना के बाद तलाशी अभियान में करीब 25 किलो हेरोइन भी बरामद की गई है। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार करीब 1 बजकर 50 मिनट पर गश्त कर रहे जवानों ने पंजाब के फाजिल्का जिले के गट्टी अजायब सिंह गांव के पास पड़ने वाले क्षेत्र में सीमा पर लगी बाड़ के दोनों ओर तस्करों की कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। त्वरित कार्रवाई करते हुए बीएसएफ के जवानों ने सीमा पर लगी बाड़ के आगे पाकिस्तानी तस्करों पर गोलीबारी की। हालांकि तस्कर घने कोहरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। बीएसएफ ने बताया कि इसके बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई और पुलिस और संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया गया। प्रारंभिक तलाशी के दौरान बीएसएफ के जवानों ने गांव गट्टी अजायब सिंह के पास सीमा बाड़ के आगे और अपनी तरफ पीले टेप में लिपटे हेरोइन के 4 पैकेट बरामद किए। वहीं पूरे क्षेत्र की विस्तृत तलाशी के दौरान सैनिकों ने पीले टेप में लिपटी प्रतिबंधित हेरोइन के 21 पैकेट और बरामद किए। इसके अलावा सीमा पर बाड़ के आगे 12 फीट लंबाई का 1 पीवीसी पाइप और 1 शॉल भी मिला। फिलहाल तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

किसान के बेटे ने ऑनलाइन कैसीनो में 92 लाख रुपये उड़ाए

हैदराबाद । किसान को सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के रूप में मिले 92 लाख रुपये का नुकसान हुआ। किसान के बेटे ने एक ऑनलाइन कैसीनो में इन पैसों को उड़ा दिए। हैदराबाद के पास तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में चौंकाने वाली घटना सामने आई है। श्रीनिवास रेड्डी के छोटे बेटे ने ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान पूरे पैसे गंवा दिए। श्रीनिवास रेड्डी की 10 एकड़ जमीन हाल ही में सरकार द्वारा तेलंगाना स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीएसआईआईसी) के लिए अधिग्रहित की गई थी। उन्हें 10.5 लाख रुपये प्रति एकड़ की दर से 1.05 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इस पैसे से वह हैदराबाद के बाहरी इलाके शमशाबाद मंडल के मल्लापुर में आधा एकड़ जमीन खरीदना चाहता था। उसने 70 लाख रुपये का एग्रीमेंट किया था और 20 लाख रुपये एडवांस के तौर पर चुकाए थे। शेष 85 लाख रुपये में से श्रीनिवास रेड्डी ने अपने बैंक खाते में 42.5 लाख रुपये और बाकि अपनी पत्नी विजयलक्ष्मी के खाते में जमा किए। दंपति के छोटे बेटे हर्षवर्धन रेड्डी जो हैदराबाद के निजाम कॉलेज में फर्स्ट ईयर का छात्र हैं ने अपने पिता के खाते से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर कर कहा कि वह जमीन के मालिक को दे देगा। ऑनलाइन गेम खेलने के आदी हो चुके हर्षवर्धन रेड्डी ने ऑनलाइन कसीनो में किश्तों में पैसा लगाना शुरू कर दिया। कुछ ही हफ्तों में उसका पूरा पैसा डूब गया। जब उसके माता-पिता ने रुपयों के बारे में पूछा तब सारी बात बता दी। दंपति और उनके बड़े बेटे सिरपाल रेड्डी सुनकर सदमे में है।

नैनीताल हाईकोर्ट का फैसला अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच नहीं होगी

नैनीताल । अंकिता भंडारी हत्याकांड पर नैनीताल हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि इसकी सीबीआई जांच नहीं होगी। हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच वाली याचिका को ठुकरा दिया है। हाईकोर्ट ने एसआईटी जांच पर अपना विश्वास जाहिर किया है। बता दें कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है। ये याचिका पत्रकार आशुतोष नेगी ने लगाई थी। इसके अलावा अंकिता के परिजनों ने भी सीबीआई जांच की मांग की थी। इससे पहले 26 नवंबर को फैसले को रिजर्व कर दिया गया था। बुधवार को हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि मामले में सीबीआई जांच की जरुरत नहीं है।

आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करने वालों को बक्शा नहीं जाएगा : मनोज सिन्हा

जम्मू । जम्मू एवं कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करने वालों को कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सिन्हा ने कहा जम्मू-कश्मीर में जो भी आतंकी इकोसिस्टम का समर्थन करता है उस कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पता लगा लेंगी कि कौन आतंक का समर्थन कर रहा है और ऐसे समर्थकों की राजनीतिक संबद्धता कोई मायने नहीं रखेगी। उन्होंने कहा 70000 करोड़ रुपये का निवेश जल्द ही यहां आने वाला है। घाटी में सेवारत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के बारे में उपराज्यपाल ने कहा कि लगभग सभी कर्मचारियों को जिला मुख्यालयों पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा हम किसी इसतरह के व्यक्ति को वेतन नहीं दे सकते जो काम नहीं करता है। जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बारे में सिन्हा ने कहा कि यात्रा की अनुमति तब मिलेगी जब यह देश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक सिद्धांत को चुनौती नहीं देती है। जम्मू-कश्मीर में होने वाली जी20 बैठक के बारे में उन्होंने कहा श्रीनगर में केवल एक जी20 बैठक आयोजित होगी। उन्होंने कहा हमने सरकार से अनुरोध किया है कि जी20 की एक बैठक जम्मू में भी होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू-कश्मीर में जी20 बैठक बिना किसी बाधा के आयोजित की जाएगी।

केंद्र ने निर्भया फंड से राज्यों को 157.49 करोड़ रुपए जारी किए

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस थानों में महिला सहायता डेस्क (डब्ल्यूएचडी) की स्थापना के लिए निर्भया निधि योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 157.49 करोड़ रुपए जारी किए हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने राज्यसभा में ये जानकारी साझा की है। मिश्रा ने बताया कि मंत्रालय ने पुलिस थानों में महिला सहायता डेस्क (डब्ल्यूएचडी) की स्थापना के लिए निर्भया निधि योजना के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 157.49 करोड़ रुपए जारी किए हैं। मिश्रा ने सांसद निरंजन बिशी और सुजीत कुमार के सवाल पर बताया कि इन स्वीकृत निधियों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थापित किए गए नए पुलिस स्टेशन भी शामिल हैं। धन राशि परियोजना के लिए दिशा-निर्देशों के अनुसार जारी की गई हैं।

शाह की दो टूक नशा मुक्त भारत के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ने वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसद में कहा है कि नशा देश के लिए गंभीर समस्या है इस पर सियासत नहीं होना चाहिए। शाह ने साफ तौर पर कहा है कि ड्रग्स के मामले में मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति है। दरअसल गृह मंत्री शाह संसद में नशे के मुद्दे पर उठे सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है और मोदी सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा है कि नार्को टेरर पर भी मोदी सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इसके खिलाफ लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

संसद को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सभी एंट्री पॉइंट पर निगरानी बढ़ानी होंगी। इसमें राज्य सरकार का सहयोग जरूरी होगा है। नशे की वजह से लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नशाखोरी एक गंभीर समस्या है जो पीढ़ियों को नष्ट कर रहा है। ड्रग्स से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए होता है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हमारी सरकार की ड्रग्स के कारोबार और इससे होने वाली कमाई के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। नशा मुक्त भारत के लिए हमारी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ने वाली हैं। उन्होंने कहा कि ये लड़ाई केंद्र या राज्य की नहीं बल्कि हम सभी की है और इसके वांछित परिणाम के लिए बहु-आयामी प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश हमारे देश में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं वे ड्रग्स से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल उसी के लिए कर रहे हैं। इस गंदे पैसे की मौजूदगी भी धीरे-धीरे हमारी अर्थव्यवस्था को खोखला कर देती है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि हमें सीमाओं बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से दवाओं के प्रवेश को रोकने की जरूरत है। राजस्व विभाग एनसीबी और मादक पदार्थ रोधी एजेंसियों को एक ही पृष्ठ पर होने वाले खतरे के खिलाफ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की नीति बहुत स्पष्ट है नशा करने वाले पीड़ित हैं हमें उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए और पीड़ितों को उनके पुनर्वास के लिए अनुकूल माहौल देना चाहिए। लेकिन मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनसीबी पूरे देश में जांच कर सकती है। यदि अंतर-राज्यीय जांच करने की आवश्यकता है तब एनसीबी प्रत्येक राज्य की मदद करने के लिए तैयार है। यहां तक कि एनआईए भी राज्यों की मदद कर सकती है अगर देश के बाहर जांच की जरूरत है।

सोनिया गांधी ने चीन मुद्दे पर मोदी को घेरा तो किरेन रिजिजू ने याद दिलाया मनमोहन का कार्यकाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तवांग मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा आज भी जारी रहा तो दूसरी ओर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सीमा पर 'चीन के कथित अतिक्रमण' पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस महत्वपूर्ण विषय पर सरकार द्वारा संसद में चर्चा कराने से इंकार करना लोकतंत्र का अनादर है तथा इससे उसकी नीयत पता चलती है। सोनिया के इस आरोप पर पलटवार करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री और अरुणाचल प्रदेश से भाजपा सांसद किरेन रिजिजू ने कहा है कि 2005 में जब हम विपक्ष में थे और बॉर्डर के विषय को उठाया था तब प्रणब दादा और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने मुझे बुलाकर कहा था कि भारत-चीन सीमा के मुद्दे संवेदनशील होते हैं इसलिए उसे उजागर न करके आंतरिक रूप से निपटना चाहिए।

हम आपको बता दें कि अब तक चीन मुद्दे पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ही मोदी सरकार को घेर रहे थे लेकिन आज सोनिया गांधी भी मैदान में उतर पड़ीं। उन्होंने कहा कि पूरा देश भारतीय जवानों के साथ खड़ा है, लेकिन सरकार के रुख के कारण राजनीतिक दलों और जनता को वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। सोनिया गांधी ने पार्टी संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा, ''चीन का हमारी सीमा पर लगातार अतिक्रमण करना गंभीर का चिंता का विषय है। पूरा देश हमारे उन सजग जवानों के साथ खड़ा है जिन्होंने चीन के हमलों को मुश्किल हालात में विफल किया है।%% उन्होंने कहा कि सरकार इस पर संसद में चर्चा कराने से इंकार कर रही है। इसका नतीजा यह है कि राजनीतिक दल और जनता वास्तविक जमीनी स्थिति को लेकर अनभिज्ञ हैं। सोनिया गांधी ने कहा, %%जब बड़ी राष्ट्रीय चुनौती आती है तो संसद को विश्वास में लेने की परंपरा रही है क्योंकि चर्चा से कई महत्वपूर्ण सवालों पर प्रकाश डाला जा सकता है।'' उन्होंने दावा किया, ''गंभीर राष्ट्रीय चिंता के विषय पर चर्चा से इनकार करना लोकतंत्र के प्रति अनादर और सरकार की नीयत को दर्शाता है।''

उधर, सोनिया गांधी के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि 2008 में चीनी राष्ट्रपति जब भारत आए थे तब भी हमने चर्चा की मांग की थी लेकिन तब भी यही कहा गया था कि संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा नहीं होनी चाहिए और आज वही कांग्रेस इस मुद्दे पर बार-बार चर्चा की मांग कर रही है।

कोरोना के जिस बीएफ.7 वैरिएंट ने चीन में मचाई तबाही, भारत में भी मिले उसके 3 मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना एक बार फिर से दुनिया को डराने के लिए तैयार है। चीन में ओमिक्रॉन के सब वैरिएंट बीएफ.7 की वजह से रिकॉर्ड मामले सामने आ रहे हैं। अब गुजरात के वडोदरा में भी बीएफ 7 का एक केस दर्ज किया गया है। एक एनआरआई महिला इस वैरिएंट से संक्रमित है। गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र द्वारा भारत में बीएफ.7 के पहले मामले का पता चला। उन्होंने कहा कि अब तक गुजरात से दो मामले सामने आए हैं जबकि ओडिशा से एक मामला सामने आया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में हुई कोविड समीक्षा बैठक में विशेषज्ञों ने कहा कि हालांकि अभी तक कोविड मामलों की संख्या में समग्र वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन मौजूदा और उभरते रूपों पर नजर रखने के लिए निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। यहां आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, चीनी शहर वर्तमान में अत्यधिक संक्रामक ओमिक्रॉन स्ट्रेन की चपेट में हैं, ज्यादातर बीएफ.7 जो बीजिंग में फैलने वाला मुख्य प्रकार है और उस देश में कोविड संक्रमण के व्यापक उछाल में योगदान दे रहा है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा कि चीन में बीएफ.7 की उच्च संप्रेषणीयता को पिछले संक्रमण से चीनी आबादी में प्रतिरक्षा के निम्न स्तर और संभवतः टीकाकरण के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

जेडीयू नेता के घर से भारी मात्रा में शराब बरामद, सुशील मोदी बोले- शराबबंदी को सत्ताधारी पार्टी ही फेल कर रही है

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी कानून लागू है। बावजूद इसके बिहार से लगातार इस तरह की खबर आती है कि जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है। हाल में ही सारण में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई। उसके बाद से विपक्ष जबरदस्त तरीके से नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर हमलावर है। इन सब के बीच सारण जिले के मढ़ौरा इलाके में जदयू नेता कामेश्वर सिंह के नाम से दर्ज मकान से भारी मात्रा में शराब बरामद की गई है। अब इसके बाद एक बार फिर से विपक्ष जदयू पर हमलावर हो गया है। खबर के मुताबिक कामेश्वर सिंह के मकान में सरोज महतो अपनी पत्नी के साथ किराएदार के रूप में रहता था। फिलहाल इस मामले को लेकर एक महिला को हिरासत में लिया गया है।

नाम सामने आने के बाद जदयू नेता रामेश्वर सिंह का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में कामेश्वर सिंह ने कहा कि मुझे यह बात मीडिया के जरिए पता चली है। मैंने 32 साल पहले ही वह घर छोड़ दिया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि हमारी सरकार को बदनाम करने के लिए वह बोतले किसने वहां रखी है। दूसरी ओर अब भाजपा इस खबर को लेकर नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने दावा किया है कि राजद और जदयू के कई लोग शराब के कारोबार से जुड़े हुए हैं।

सुशील मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राजद एमएलसी रामबली सिंह चंद्रवंशी ने एक स्टिंग ऑपरेशन में कहा कि उनके नेता तेजस्वी यादव खुद शराब पीते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में शराबबंदी को सत्ताधारी पार्टी ही फेल कर रही है। दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सारण जिले के जहरीली शराब मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फरमान पर राज्य में नीतीश कुमार सरकार को ''बदनाम'' करने के लिए चलाए जा रहे ''दुष्प्रचार'' का हिस्सा है। आपको बता दें कि बिहार सरकार ने जहरीली शराब पीने से सारण में 38 लोगों की मौत की पुष्टि की है। भाजपा का दावा है कि सौ से अधिक लोगों की इस घटना में मौत हुई है।

भारत जोड़ो यात्रा में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने के सुझाव पर कांग्रेस भड़की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। चीन में कोरोना वायरस के कारण मचे हाहाकार को देखते हुए केंद्र सरकार भी सतर्क हो गई है। सभी नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है। लेकिन यहां ध्यान रखा जाना चाहिए कि सिर्फ नागरिकों के ही सतर्क रहने से काम नहीं चलेगा नेताओं को भी सतर्कता बरतनी चाहिए और अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए।

भारत कोरोना की कई लहरें देख चुका है उसकी पीड़ा सह चुका है इसलिए अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसलिए यदि सरकार ने कांग्रेस को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा है या इस यात्रा को निलंबित करने पर विचार करने को कहा है तो कांग्रेस को चाहिए कि इस विचार को अन्यथा न लेकर इस पर गंभीरता से विचार करे। कांग्रेस को समझना होगा कि भारत को जोड़े रखना भी जरूरी है और भारत का स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। इसलिए इस यात्रा के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होते ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु कोरोना संक्रमित हो गए। ध्यान देने की बात है कि क्या कांग्रेस ने उसके बाद उन तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं का कोरोना टेस्ट कराया जोकि हिमाचल के मुख्यमंत्री के आसपास या उनके साथ थे। कहीं ऐसा नहीं हो जाये कि कोई संक्रमित कार्यकर्ता अन्य राज्यों में भी संक्रमण फैला दे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की ओर से जो पत्र राहुल गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजा गया है उसे सकारात्मक रूप में लेकर कांग्रेस को आज ही इस यात्रा के बारे में फैसला करना चाहिए। कांग्रेस नेता सुझावों को खारिज करते हुए कह रहे हैं कि सरकार और भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डर गयी है उन्हें समझना होगा कि डर यात्रा से नहीं है डर इस बात से है कि कहीं यह यात्रा संक्रमण को फैलाने वाली न हो जाए।

हम कर्नाटक में उसी तरह से प्रवेश करेंगे जैसे चीन ने लद्दाख में प्रवेश किया : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नेता संजय राउत अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। हाल में ही कर्नाटक और महाराष्ट्र का सीमा विवाद काफी सुर्खियों में रहा है। दोनों ही राज्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। एक दूसरे राज्य के खिलाफ प्रदर्शन भी हो रहे हैं। इस बीच शिवसेना उद्धव बाला साहब ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि हम कर्नाटक में उसी तरह से प्रवेश करेंगे जैसे चीन ने लद्दाख में प्रवेश किया है।

उन्होंने कहा इस मुद्दे पर किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है। हम चर्चा के जरिए इसे सुलझाना चाहते हैं। लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री इसमें आग लगा रहे हैं। संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार को कमजोर करार दिया और कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर कोई स्टैंड नहीं ले रही है। आपको बता दें कि सीमा विवाद को लेकर एकनाथ शिंदे और उनकी सरकार को लगातार विपक्ष की आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र के विधानसभा में भी विपक्ष सरकार को घेर रही है। हाल में ही दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। संजय राउत ने हालांकि यह भी कहा है कि यह देश एक है और मसले का हल बातचीत से होना चाहिए।

कुंभ 2025 के प्रारंभ होने से पहले मां गंगा को अविरल-निर्मल बनाने का संकल्प पूरा होगा

-प्रदेश में 85 हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती हो रही

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि मां गंगा उत्तर प्रदेश को प्रकृति प्रदत्त अनुपम उपहार हैं। गंगा जी के बहाव के सर्वाधिक क्षेत्र उत्तर प्रदेश में है। यह हमारी आस्था का केंद्र बिंदु हैं तब वहीं अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार भी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रयागराज कुंभ 2025 के प्रारंभ होने से पहले तक मां गंगा को अविरल-निर्मल बनाने का संकल्प पूर्ण करना होगा। नदियों को सीवरेज के गंदगी और पानी को विषाक्त होने से बचाने के लिए एसटीपी लगाए जाने की कार्यवाही में तेजी की अपेक्षा है। आज गंगा नदी में डॉल्फिन की वापसी हुई है तब तकनीक का प्रयोग कर नदियों को स्वच्छ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना गंगा के साथ साथ सहायक नदियों के

लिए भी है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यहां अभूतपूर्व कार्य हुआ है। कानपुर के जाजमऊ और सीसामऊ में गंगाजी में गंदे पानी को गिरने से रोकने के लिए प्रभावी प्रयास किया गया है। आज यह सेल्फी पॉइंट बन गया है। उन्होंने कहा कि अर्थ गंगा अभियान का सर्वाधिक लाभ उन करोड़ों लोगों को होगा जिनकी आजीविका गंगा पर ही निर्भर है। अर्थ गंगा से सकल घरेलू उत्पाद में 3 फीसद का योगदान होने के लक्ष्य के साथ हमें ठोस प्रयास करना होगा। विशेषज्ञों की सहायता से इसे एक मॉडल के रूप में विकसित करने के लिए प्रयास किये जाएं।

इतना ही नहीं सीएम योगी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और विषमुक्त खेती को बढ़ावा देने के मकसद से राज्य सरकार ने गंगा के दोनों तटों पर 5-5 किलोमीटर तक प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। प्रदेश में 27 जनपद गंगा से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा बुंदेलखंड के सात जिलों में प्राकृतिक खेती के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। वर्तमान में लगभग 85 हजार हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती हो रही है। इस बार यहां उत्पादन अच्छा हुआ है। योगी ने कहा कि अब तक प्रदेश में 66180 हेक्टेयर क्षेत्र को जैविक खेती तहत लाया गया है। एक लाख से अधिक किसान जैविक खेती से लाभान्वित हो रहे हैं।

26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद भी समुद्री सुरक्षा को लेकर भारी लापरवाही

-नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने कहा है कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों पर मंत्रिमंडल की समिति ने फरवरी 2009 में तटीय एवं अपतटीय नौसेना परिसम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को तीन वर्षों में सुदृढ़ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी लेकिन इसके लिये अनुकूल एवं सहयोगी ढांचा तैयार करने में देरी ने इस पहल को 'कमजोर' किया। संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि सागर प्रहरी बल (एसपीबी) में तीव्र अंतरग्रहण पोत (एफआईसी) को13 से 61 महीने की देरी से शामिल किया गया। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति द्वारा संकल्पित आधारभूत ढांचे कई नौसैन्य बंदरगाहों को पिछले जून तक उपलब्ध नहीं थे।

इसमें कहा गया है कि मुंबई 26-11 आतंकी हमले के बाद सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति (फरवरी 2019) द्वारा तीन साल के भीतर सागर प्रहरी बल गठित करने तथा तटीय एवं अपतटीय नौसेना परिसम्पत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का महत्व इसके लिये अनुकूल एवं सहयोगी ढांचा तैयार करने में देरी के कारण कमजोर हुआ।

कैग ने बताया कि बूस्ट गैस टर्बाइन (बीजीटी) नौसेना के निर्देशों के तहत तय मात्रा से अधिक रखा गया। इसके साथ ही बीजीटी का आर्डर देने से पहले जहाजों को सेवा से हटाने और स्टॉक की स्थिति को भी ध्यान में नहीं रखा गया। इसके परिणामस्वरूप 213.96 करोड़ रूपये मूल्य के नए खरीदे गए बीजीटी का अधिशेष हो गया।

रिहा होगा सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज, नेपाल की जेल में 19 साल से था बंद

काठमांडू। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने फ्रांस के सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को 19 साल जेल में बिताने के बाद उसकी उम्र के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने बताया कि चार्ल्स दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या के आरोप में 2003 से नेपाल की जेल में है। शीर्ष अदालत ने उनकी रिहाई के 15 दिनों के भीतर उनके निर्वासन का भी आदेश दिया है। भारतीय और वियतनामी माता-पिता के एक फ्रांसीसी पुत्र शोभराज पर 1975 में नेपाल में प्रवेश करने के लिए एक नकली पासपोर्ट का उपयोग करने और दो बैकपैकर्स की हत्या करने का आरोप लगाया गया था। 1 सितंबर, 2003 को एक समाचार पत्र द्वारा उनकी तस्वीर प्रकाशित करने के बाद उन्हें नेपाल में एक कैसीनो के बाहर देखा गया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके खिलाफ 1975 में काठमांडू और भक्तपुर में दंपति की हत्या के आरोप में हत्या के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए। वह काठमांडू की सेंट्रल जेल में 21 साल की कैद, अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए 20 साल और फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के लिए एक साल और 2,000 के जुर्माने की सजा काट रहा था।

जब कोई मूर्ख मिलेगा तब टिवटर के सीईओ का पद छोड़ दूंगा : मस्क

वाशिंगटन। ट्विटर के नए प्रमुख एलन मस्क ने ट्विटर के सीईओ के रूप में कमान संभाला है। लेकिन वह भूमिका के लिए बहुत उज्ज्वल लोगों को नहीं चाहते हैं। मस्क ने ट्विटर पर यह जानने के लिए सर्वेक्षण किया कि क्या उन्हें ट्विटर के सीईओ के रूप में पद छोड़ना चाहिए। जैसा कि अपेक्षित था उन्हें सुझाव दिया कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मस्क ने अपनी हार मानने से इनकार कर और कम वोट पाने के लिए ट्विटर में बॉट्स को जिम्मेदार ठहराया। एक अलग ट्वीट में मस्क ने कहा कि वह ट्विटर के सीईओ के रूप में तभी पद छोड़ूंगा जब उन्हें कोई ऐसा मूर्ख मिलेगा जो भूमिका निभाने के लिए पर्याप्त हो। मस्क द्वारा कराए गए एक पोल के नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। मस्क ने सोचा कि ट्विटर को फ्री स्पीच प्लेटफॉर्म बनाने के उनके लंबे दावों से उन्हें वोट मिलने वाले हैं लेकिन ज्यादातर ट्विटर यूजर्स चाहते थे कि वह चले जाएं। पोल के अनुसार 57.5 प्रतिशत से अधिक ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने मस्क के पद छोड़ने के पक्ष में मतदान किया जबकि 42.5 प्रतिशत अभी भी चाहते हैं कि वह कंपनी का नेतृत्व करें। नतीजे आने के तुरंत बाद मस्क ने कहा कि वह फिर से चुनाव कराएंगे लेकिन इस बार वह केवल ट्विटर ब्लू ग्राहकों को वोट देने की अनुमति दूंगा।

आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर आठ एके-47 राइफलें ही ले गए

इस्लामाबाद। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है कि दक्षिणी वजीरिस्तान में दर्जनों सशस्त्र आतंकवादियों ने पुलिस स्टेशन पर धावा बोलकर हथियार लूटकर फरार हो गए। अधिकारी रहमान वजीर के हवाले से बताया कि रॉकेट लांचर और भारी हथियारों से लैस आतंकवादी वाना में पुलिस थाने में घुस गए। उन्होंने कहा कि करीब 50 आतंकवादी स्टेशन के सामने के गेट को उड़ाने के बाद अंदर घुसे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सामने भारी संख्या में थाना प्रभारी सहित लगभग 20 पुलिसकर्मियों ने कुछ समय तक संघर्ष किया लेकिन बाद में उन्हें बंधक बना लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय पुलिस ने कहा कि आतंकवादी स्टेशन से सिर्फ आठ एके-47 राइफलें ही ले गए। सूत्रों ने कहा कि हमले में एक पुलिस कांस्टेबल घायल हो गया जबकि एक कथित आतंकवादी मारा गया। सूत्रों के मुताबिक फ्रंटियर कोर (एफसी) के जवानों के साथ मुठभेड़ में कथित आतंकवादी मारा गया। बाद में शव बागीचा इलाके से बरामद किया गया। हमले के बाद पुलिस स्टेशन को कुछ समय के लिए एफसी ने अपने कब्जे में ले लिया लेकिन बाद में मंगलवार दोपहर तक इसे वापस पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कहा कि आसपास के इलाकों से वाना में और बल तैनात किया गया है और वर्तमान में स्टेशन के अंदर 100 पुलिसकर्मी हैं।

उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया

फर्नडेल। उत्तरी कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों में सोमवार देर रात 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण विभाग ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण कई जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और कई मकान एवं सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। सैन फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिम में लगभग 343 किलोमीटर दूर स्थित फर्नडेल के पास देर रात दो बजकर 34 मिनट पर 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र तट के पास 10 मील की गहराई में था। इसके बाद भूकंप बाद के कई झटके महसूस किए गए। देश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखने वाली 'पावरआउटेज डॉट कॉम' ने बताया कि भूकंप के बाद 55,000 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की शिकायत की। कई जगह गैस रिसाव की भी शिकायतें मिली हैं। हम्बोल्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने ट्वीट किया कि सुनामी की आशंका नहीं है। उल्लेखनीय है कि शनिवार तड़के तीन बजकर 39 मिनट पर सैन फ्रांसिस्को बे एरिया में 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

चीन से निपटने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने पानी के नीचे उतारेगा यूयूवी घोस्ट शार्क

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन से निपटने के लिए पानी के भीतर निगरानी और माइन वारफेयर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने उप-ड्रोन प्रोटोटाइप घोस्ट शार्क पनडुब्बी का अनावरण किया है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम पानी के भीतर युद्ध में चीन के प्रभुत्व का मुकाबला करने और नौसैनिक युद्ध में दो देशों के बीच की खाई को पाटने के प्रयास का हिस्सा है। यूयूवी एक डाइव-लार्ज डिसप्लेसमेंट (डाइव-एलडी) वाहन है जो इंडो-पैसिफिक जल में चीन का मुकाबला करने की ऑस्ट्रेलिया की क्षमता को बढ़ाएगा और यहां तक कि संघर्ष में अमेरिका के हस्तक्षेप के मामले में सहायता प्रदान करेगा। घोस्ट शार्क नामक यूयूवी का एक सशस्त्र संस्करण बनाने की योजना है। यह घोस्ट शार्क वाहन ऑस्ट्रेलिया द्वारा 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की साझेदारी के तहत एंडुरिल आस्ट्रेलिया रायल आस्ट्रेलिया नेवी और डिफेंस साइंस एंड टेक्नालाजी ग्रुप के साथ मिलकर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना ऑस्ट्रेलिया के एक्स्ट्रा लार्ज ऑटोनॉमस अंडरसी व्हीकल (एक्सएल-एयूवी) कार्यक्रम के तहत है जिसका उद्देश्य सैन्य और गैर-सैन्य दोनों उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक किफायती स्वायत्त पानी के नीचे का पनडुब्बी बनाना है। होनराडा की रिपोर्ट के अनुसार साझेदारी का उद्देश्य 2025 तक घोस्ट शार्क के मॉडल वितरित करना है।

लंबे ठहराव के बाद बीजिंग पहुंची ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री

बीजिंग। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग व्यापार प्रतिबंधों एंव राजनीतिक मतभेदों के कारण उच्च-स्तरीय संबंधों में एक लंबे ठहराव के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में सुधार लाने के मकसद से वार्ता के लिए चीन पहुंची हैं। बीजिंग पहुंचने पर विदेश मंत्री वोंग ने निमंत्रण के लिए चीन को धन्यवाद दिया। उनकी यह यात्रा उस समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच आधिकारिक राजनयिक संबंधों की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हुए हैं।

वोंग ने कहा कि वह बातचीत को लेकर आशान्वित हैं जिसमें दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण कई मुद्दों पर चर्चा होगी। वोंग चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी मिलेंगी। उनकी यात्रा चार वर्षों में किसी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की चीन की पहली यात्रा है। इससे यह उम्मीद जगी है कि ऑस्ट्रेलियाई वस्तुओं के आयात पर चीन के अवरोधों को समाप्त करने और चीन में हिरासत में लिए गए दो ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को मुक्त करने के विषय में प्रगति होगी।

दक्षिण कोरिया में अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बमवर्षक विमान दक्षिण कोरियाई वायुसेना के विमानों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग लेते हुए।

अमेरिका यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा इसमें पैट्रियट ' मिसाइल शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका युद्धग्रस्त यूक्रेन को 1.8 अरब डॉलर की सहायता देगा जिसमें पहली बार उसके लड़ाकू विमानों के लिए एक 'पैट्रियट' मिसाइल बैटरी और सटीक निशाना लगाने में सक्षम बम शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यह सहायता उस वक्त में दी जा रही है जब बाइडन प्रशासन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का वाशिंगटन में स्वागत करने के लिए तैयार है।

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने सांसदों को बुधवार शाम के सत्र में मौजूद रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अमेरिकी अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर यूक्रेन को दी जाने वाली नई सहायता की जानकारी दी। इस सहायता से संकेत मिलता है कि अमेरिका ने रूस के मिसाइल हमलों से बचने के लिए यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने की कवायद के तौर पर उस अत्याधुनिक हथियार भेजने का फैसला किया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस सहायता पैकेज की बुधवार को घोषणा होने की उम्मीद है। जेलेंस्की और यूक्रेन के अन्य अधिकारियों ने पश्चिमी नेताओं से रूस के साथ युद्ध में उसकी मदद करने के लिए पैट्रियट समेत अन्य आधुनिक हथियार देने की अपील की थी। पैट्रियट यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिलने वाली सबसे उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली होगी।

चीन में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात अस्पतालों में नहीं मिल रही जगह आसमान पर पहुंचे दवाओं के दाम

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एक बार फिर से कोरोना ने विस्फोटक रूप अख्तियार कर लिया है। चीन में कोरोना का ऐसा भयंकर विस्फोट हुआ है कि अस्पतालों में जगह नहीं बची हैं। श्मशान घाटों पर लाशों के अंबार लग गए हैं।दवा के लिए हाहाकार मच गया है।

जीरो कोविड पॉलिसी हटने के बाद चीन में कोरोना ने ऐसी तबाही मचाई है कि इसका खौफनामक मंजर अभी से ही दिखने लगा है। अनुमान है कि इस बार चीन में कोरोना से 20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है जबकि 23 करोड़ से अधिक आबादी इससे संक्रमित हो सकती है। हालांकि चीन ने आधिकारिक तौर पर कोरोना से केवल 5237 मौतों की पुष्टि की है। चीन में कोरोना संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है कि मेडिकल स्टोर्स में दवा मिलना भी मुश्किल हो गया है।

अस्पतालों में इलाज के लिए भीड़ उमड़ रही है और लोगों को अपनी बारी के लिए लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। चीन में कोरोना के विस्फोट की वजह से सर्दी और फ्लू की दवाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। इतना ही नहीं अस्पतालों में बढ़ते कोरोना मरीजों को बेड की किल्लत होने लगी है। दवा की भी

कमी हो गई है। कोरोना जांच के लिए भी लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं। कोरोना मरीज अब दम तोड़ने लगे हैं और इसकी संख्या ने चीन के लोगों को और डरा दिया है। चीनी सरकार ने कहा कि कोरोना में केवल श्वसन प्रणाली के विफल होने से होने वाली मौतों को ही आधिकारिक आंकड़ों में शामिल किया जाएगा। माना जा रहा है कि चीन ने पैनिक माहौल को देखते हुए यह फैसला लिया है। चीन में कोराना वायरस के ओमीक्रॉन स्वरूप के नए उप-स्वरूपों से संबंधित संक्रमण के मामलों में काफी वृद्धि देखी गई है। चीन वर्तमान में लोग मुख्यतः ओमीक्रॉन के दो उपस्वरूपों-बीए.5.2 और बीएफ.7 से प्रभावित है।

चीन में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए की जा रही सख्ती खत्म करने के बाद अचानक कोरोना संक्रमण में तेजी पैदा हो गई है। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण लोग खौफजदा हो गए हैं। दवाई की दुकानों में लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। दवा की शॉर्टेज के कारण उनकी कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। चीन में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच वहां बेड की कमी भी होने लगी है।

वायरल वीडियो में पूर्व पाक पीएम महिला से कर रहे अश्लील वार्तालाप पीटीआई ने वीडियो को बताया फर्जी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व पीएम इमरान खान एक ओर विवाद में फंसते दिखाई दे रहे हैं। यह विवाद उनके अश्लील ऑडियो से जुड़ा है। इस ऑडियो में इमरान खान की आवाज सुनाई दे रही है जिसमें वह किसी महिला से फोन पर अश्लील बातें कर रहे हैं। ये अश्लील ऑडियो पाकिस्तान के पत्रकार सैयद अली हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है। इस ऑडियो क्लिप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान की एक महिला के साथ कथित निजी बातचीत का जिक्र है। ऑडियो क्लिप में जिस शख्स की आवाज सुनाई दे रहे है वह पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान बताए जा रहे हैं जो एक महिला से अश्लील बात कर रहे हैं। ऑडियो में इमरान कथित तौर पर एक महिला को अपने पास आने के लिए बोल रहे हैं लेकिन महिला इमरान खान को मना कर देती हैं। इस ऑडियो में इमरान खान जोर देकर कहते हैं कि जैसा कहा गया है वैसा ही करें।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दो ऑडियो क्लिप में से एक पुराना बताया जा रहा है। दूसरी क्लिप को हाल ही का बताया जा रहा है। इमरान खान इस ऑडियो में महिला से उनके पास आने के लिए कह रहे हैं। हालांकि महिला उनके पास आने से मना कर देती है। महिला कहती है कि इमरान आपने मेरे लिए क्या किया है? मैं नहीं आ सकती हूं। इसी दौरान महिला आगे कहती है वह उनसे मिलने के लिए तैयार है। इस पर इमरान खान उसे कहते हैं कि वह अगले दिन का अपना कार्यक्रम बदल देंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि कथित ऑडियो क्लिप में महिला को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह उनसे नहीं मिल सकती क्योंकि उनके शरीर में दर्द है।

अप्रवासियों की संख्या दोगुना बढ़ाएगा फिनलैंड 2030 तक तीनगुना बढ़ाए जाएंगे छात्र इनटर्न

हेलसिंकी (एजेंसी)। कुशल कामगारों की भारी कमी से जूझ रहे यूरोपीय देश फिनलैंड ने एक अहम फैसला करते हुए देश में आने वाले कामगार अप्रवासियों की संख्या को दोगुना और 2030 तक अंतर्राष्ट्रीय छात्र इंटर्नशिप की संख्या को तीन गुना करने की योजना बनाई है।

फिनलैंड के आर्थिक मामलों और रोजगार मंत्री तुउला हैटेनेन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा कि भारतीय कामगारों के लिए उनका देश उपक्त जगह है। विदेश मंत्री वी मुरलीधरन के साथ माइग्रेशन और गतिशीलता को लेकर एक संयुक्त घोषणा पत्रपर हस्ताक्षर करते हुए हैटेनेन ने कहा कि फ़िनलैंड प्रौद्योगिकी और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और नर्सिंग के क्षेत्र में भारतीय श्रमिकों को आकर्षित करना चाहता है। हालांकि मंत्री ने कहा उनकी सरकार अप्रवासियों के लिए रास्ता आसान करने की उम्मीद करती है लेकिन फिलहाल नागरिकता का रास्ता अभी उपलब्ध नहीं हो सकता है। हैटेनेन ने कहा कि हम देखते हैं कि भारत में बहुत प्रतिभावान पेशेवर हैं जिनकी हमें फिनलैंड में जरूरत है। हमें अधिक कार्यबल प्रतिभा पेशेवरों और कुशल लोगों की आवश्यकता है। अगर वे फिनलैंड आना चाहते हैं यह दोनों पक्षों के लिए बढ़िया अवसर है कि लोग विदेश जाएं और वहां कुछ कमाएं और कुछ सीखें।

इस संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने कहा छात्रों विद्वानों शोधकर्ताओं व्यापार और पेशेवरों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने और अवैध अप्रवासन से निपटने के इरादे से संयुक्त घोषणा पर पिछले सप्ताह हस्ताक्षर किए गए थे। भारत ने हाल ही में इस साल जर्मनी और पिछले साल यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कुशल भारतीय श्रम में रुचि पूरे यूरोप में श्रमिकों की भारी कमी के बीच आती है क्योंकि व्यवसाय पिछले दो वर्षों में कोविड के नुकसान और सीमा बंद होने से उबर रहे हैं। फिनलैंड विशेष रूप से लगभग 5.5 मिलियन निवासियों का देश है जहां कार्यबल केवल लगभग 2.5 मिलियन है और सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बढ़ रही है।

श्रम मंत्रालय द्वारा मार्च में किए गए एक सर्वेक्षण और उद्योग सर्वेक्षणों से पता चला है कि 70 प्रतिशत से अधिक फिनिश कंपनियां अब कुशल श्रम की कमी से जूझ रही हैं। हैटेनेन ने कहा कि उनकी सरकार अनुसंधान और विकास में अपने सकल राष्ट्रीय उत्पाद का लगभग 4 फीसदी निवेश करना चाहती है लेकिन इसके लिए अधिक प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता है। नतीजतन फिनलैंड श्रम प्रवासियों और परिवारों को डे केयर शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ स्थानीय भाषा सिखाने की आधी लागत की पेशकश करके राहत प्रदान करता है।

नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा नेपाली कांग्रेस पार्टी के संसदीय दल के नेता चुने गए

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने बुधवार को संसदीय दल के नेता पद के लिए हुए चुनाव में जीत दर्ज की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देउ?बा ने अपने निकटकम प्रतिद्वंद्वी एवं पार्टी महासचिव गगन कुमार थापा को 39 मतों से हराया। अधिकारियों के मुताबिक, मतदान में नेपाली कांग्रेस के सभी 89 सांसदों ने हिस्सा लिया। इसमें 76-वर्षीय देउबा को जहां 64 वोट मिले, वहीं 45-वर्षीय थापा को महज 25 मत हासिल हुए।

संसदीय दल के नेता पद के चुनाव में जीत का मतलब है कि 20 नवंबर को हुए आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस के सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद देउबा संभवत: अगली सरकार का नेतृत्व करेंगे। थापा संसदीय दल के नेता के चुनाव में देउबा के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी थे। दोनों उम्मीदवारों ने मंगलवार को नामांकन दाखिल किया था। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राम चंद्र पौडेल ने देउबा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका पार्टी के एक अन्य नेता पूर्ण बहादुर खड़का ने समर्थन किया। वहीं, डॉ. शेखर कोइराला ने थापा के नाम का प्रस्ताव किया था, जिसका विश्व प्रकाश शर्मा, प्रदीप पौडेल और धनराज गुरुंग ने समर्थन किया था। 'माई रिपब्लिका' अखबार के मुताबिक, मतदान केंद्र में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति दी जानी चाहिए या नहीं, इस पर असहमति के कारण बुधवार को चुनाव में लगभग एक घंटे की देरी हुई। अखबार के अनुसार, नेपाली कांग्रेस के सांसदों को अपने निर्वाचन प्रमाणपत्र के साथ मतदान स्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया गया था। नेपाली कांग्रेस इस हिमालयी देश की एकमात्र पार्टी है, जो संसदीय दल के नेता के लिए चुनाव कराती है। संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए रविवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में तीन-सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया था, जिसमें संयुक्त महासचिव भीष्म राज अंगडेंबे समन्वयक और केंद्रीय सदस्य पुष्पा भुसाल और प्रकाश रसैली 'स्नेही' सदस्य थे। हाल ही में संपन्न आम चुनाव में नेपाली कांग्रेस ने प्रतिनिधि सभा की कुल 89 सीट पर जीत दर्ज की थी। इनमें से 57 सीट पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान और 32 सीट आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली के जरिये हासिल हुई थी। इस बीच, संसदीय सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि प्रतिनिधि सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 22 दिसंबर को होगा। उल्लेखनीय है कि 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्यों का चयन प्रत्यक्ष मतदान के जरिये किया गया था, जबकि बाकी 110 सदस्य आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने गए थे। हिमालयी देश में लंबे समय से जारी राजनीतिक अस्थिरता को खत्म करने के लिए प्रतिनिधि सभा और सात प्रांतीय विधानसभाओं के लिए हाल ही में चुनाव कराए गए थे।

फिर जारी हुआ महिला विरोधी फरमान, नहीं सुधरने वाला है तालिबान, लड़कियों के लिए यूनिवर्सिटीज के दरवाजे बंद

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत को सत्ता संभालते हुए साल भर से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। वहां के हालात लगातार सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन अफगानिस्तान में तालिबानी फरमान जारी होते रहते हैं। इसी कड़ी में नए आदेश के तहत अफगानी लड़कियों के विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया गया।

हालांकि तालिबान औरतों और लड़कियों की आजादी पर हमेशा से रोक लगाता रहा है। लेकिन अब उसके एक और फैसले ने लड़कियों के सपनों को तोड़ने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है।

पिछले साल जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था तब महिलाओं के प्रति नर्म रुख अपनाने का वादा किया था। लेकिन इसके बावजूद वो उसके शिक्षा और स्वतंत्रता के अधिकार को छीन रहा है। अंतरराष्ट्री रुख को नजरअंदाज कर पहले भी तालिबान महिलाओं पर लगातार कई तरह के प्रतिबंध लगाता रहा है। बता दें कि इससे पहले तालिबान ने अफगान पर कब्जा करने के बाद महिलाओं और युवतियों की शिक्षा को लेकर फरमान जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि पुरुषों के स्कूलों में महिला व युवती नहीं पढ़ सकेंगी। साथ ही इन्हें महिला टीचर ही पढ़ा सकेंगे।

तालिबान को भुगतना पड़ेगा महिला शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने का खामियाजा : ब्लिंकन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अफगानिस्तान में महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के फैसले को अस्वीकार्य बताते हुए उसकी निंदा की है। ब्लिंकन ने आगाह किया है कि कट्टरपंथी इस्लामी शासन को इसके परिणाम झेलने होंगे।

गौरतलब है कि तालिबान सरकार ने महिलाओं के अधिकारों व स्वतंत्रता पर नकेल कसते हुए मंगलवार को एक नए फरमान में कहा था कि अफगानिस्तान में निजी व सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में महिला छात्राओं को तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। तालिबान ने पिछले साल अफगानिस्तान की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद नरम रुख अपनाने का वादा किया था। उसके हालिया फैसले ने इस्लामी कानून या शरिया के कड़े नियम लागू करने की उसकी मंशा एक बार फिर स्पष्ट कर दी है। अफगानिस्तान के उच्च शिक्षा मंत्री नेदा मोहम्मद नदीम की ओर से सभी सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों को एक पत्र जारी किया गया। इस पत्र पर नदीम के हस्ताक्षर भी हैं। पत्र में कहा गया आप सभी को सूचित किया जाता है कि अगली सूचना तक महिलाओं की शिक्षा स्थगित करने के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

ब्लिंकन ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं की विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के तालिबान के अस्वीकार्य फैसले माध्यमिक विद्यालयों को लड़कियों के लिए बंद करने और अफगानिस्तान में महिलाओं व लड़कियों को उनके मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने से रोकने के वास्ते उन पर अन्य प्रतिबंध लगाने की अमेरिका निंदा करता है।

देश भर में बड़ी संख्या में छात्राओं के विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा देने के करीब तीन महीने बाद यह प्रतिबंध लगाया गया है। ब्लिंकन ने आगाह किया शिक्षा एक मानवाधिकार है। यह अफगानिस्तान के आर्थिक विकास और उसकी स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। तालिबान तब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय का एक वैध सदस्य बनने की उम्मीद नहीं कर सकता जब तक कि वह अफगानिस्तान में सभी के अधिकारों का सम्मान नहीं करता। तालिबान को इस फैसले के परिणाम झेलने होंगे। देश में मानवीय संकट के बीच इस कदम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता हासिल करने के तालिबान के प्रयासों को नुकसान पहुंचाना तय है। ब्लिंकन ने कहा दुनिया में कोई भी देश महिलाओं व लड़कियों को शिक्षा हासिल करने से नहीं रोकता। उन्होंने कहा अफगानिस्तान को पहले से ही हर साल एक अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है जिससे उबरने में महिलाएं योगदान कर सकती हैं। कोई भी देश उसकी आधी आबादी को आगे बढ़ने से रोके जाने तक तरक्की नहीं कर सकता।

ब्लिंकन ने कहा तालिबान के नए फरमान का मतलब है कि महिलाओं व लड़कियों को अपना परिवार चलाने व रोजगार तलाशने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद अमेरिका महिलाओं व लड़कियों सहित अफगानिस्तान के लोगों की मदद करना जारी रखेगा उनकी मानवीय जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेगा और सामूहिक रूप से उनके अधिकारों की वकालत करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ काम करेगा।

संपादकीय

तालिबानः मियाँ की जूतियाँ मियाँ के सिर

अब जबकि पाक-सरकार 2700 किमी की इस डूंरेड रेखा पर खंभे गाड़ने की कोशिश कर रही है तालिबान सरकार उसका विरोध कर रही है। हजारों अफगान और पाकिस्तानी नागरिक पासपोर्ट और वीज़ा के बिना एक-दूसरे के देश में रोज आते-जाते हैं। दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार को काबुल जाकर बात करनी पड़ी।

(लेखक डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

काबुल में पिछले साल तालिबान की सरकार क्या कायम हुई पाकिस्तान समझने लगा कि उसकी पौ-बारह हो गई क्योंकि पिछले दो-ढाई दशक से तालिबान और उसके पहले अफगान मुजाहिदीन को शै देनेवाला पाकिस्तान ही था। तालिबान ने पहले अपने हिमायती अमेरिका को सबक सिखाया और अब वह पाकिस्तान के छक्के छुड़ा रहा है। आए दिन तालिबानी और पाकिस्तानी सीमा-रक्षकों के बीच गोलीबारी की खबरें आती रहती हैं। अफगानिस्तान और ब्रिटिश भारत के बीच जब सर मोर्टिमोर डूंरेड ने 1893 में डूंरेड-रेखा खींची थी तभी से एक के बाद एक अफगान सरकारों ने उसे मानने से मना कर दिया था। अब जबकि पाक-सरकार 2700 किमी की इस डूंरेड रेखा पर खंभे गाड़ने की कोशिश कर रही है तालिबान सरकार उसका विरोध कर रही है। हजारों अफगान और पाकिस्तानी नागरिक पासपोर्ट और वीज़ा के बिना एक-दूसरे के देश में रोज आते-जाते हैं। दोनों देशों के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि उप-विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार को काबुल जाकर बात करनी पड़ी। काबुल में पाक दूतावास के एक वरिष्ठ राजनयिक की हत्या का भी असफल प्रयास हुआ। इसके पहले अल-क़ायदा के नेता अल-जवाहिरी की काबुल में अमेरिका ने जो हत्या की थी उसके लिए भी पाकिस्तान की सांठ-गांठ बताई गई थी। यह अभियान प्रकट तौर पर काबुल के तालिबान नहीं चला रहे हैं। इसे चला रहे हैं- 'तहरीक़े-तालिबान-ए-पाकिस्तान' के लोग। वे हैं तो पाकिस्तानी लेकिन उन्होंने आजकल काबुल को अपना ठिकाना बना लिया है। वे इमरान और शाहबाज शरीफ सरकारों से मांग करते रहे हैं कि पाकिस्तान का शासन इस्लामी उसूलों पर चले। काबुल के तालिबान दिखाने के लिए इस्लामाबाद और तहरीक के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं लेकिन वे पूरी तरह से 'तहरीक' के साथ हैं। उन्होंने दोनों के बीच 5-6 माह का युद्ध-विराम भी करवा दिया था लेकिन तालिबान की ही नहीं औसत पठानों की भी मान्यता है कि पाकिस्तान के पंजाबी हुक्मरान उन्हें अपना गुलाम बनाकर रखना चाहते हैं। मुझे पेशावर और काबुल में दोनों पक्षों से खुलकर बात करने के मौके कई बार मिले हैं। मैंने कुछ पाकिस्तानी दोस्तों को यह कहते हुए भी सुना है कि देखिए अफगान कितने नमकहराम हैं? रूसी कब्जे के वक्त लाखों अफगानों को हमने शरण दी लेकिन वे अब भी पेशावर पर कब्जा करना चाहते हैं। उधर अफगान कहते हैं कि ये पंजाबी लोग हमारी ज़मीन पर लगभग डेढ़-सौ साल से कब्जा किए हुए हैं और हमारे साथ चोरी और सीनाजोरी करते हैं। पाकिस्तान सरकार को अब पता चल रहा है कि उसने अफगान आतंकवाद को बढ़ावा देकर अपने लिए गहरी खाई खोद ली है। अब वे ही अफगान पाकिस्तान के सिरदर्द बन गए हैं। मियाँ की जूतियाँ मियाँ के सिर पड़ रही हैं।

सूक्ति

वृक्ष अपने सिर पर गरमी सहता है पर अपनी छाया में दूसरों का ताप दूर करता है।
- तुलसीदास

माया मरी न मन मरा मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी कह गये दास कबीर?
- कबीर

लॉफिंग ज़ोन

पत्नीः आप बहुत देर से घर के बाहर खड़े हो , पर अंदर क्यों नहीं आ रहे थे ?

पतिः और तुम इतनी रात तक जाग कर क्या कर रही हो।

पत्नीः मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।

पतिः और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

□ □ □

ग्राहक, 'यह सुप तो बहुत ही पतला है?'

बैरा, 'मैनेजर साहब की इच्छा है की प्लेट पर बने बेल बूटे भी आप देख सकें।'

□ □ □

सुमित्रा (बेटे गौरव से), 'बेटा आज तुम सोते-सोते इतनी जोर से गाना क्यों गा रहे थे?'

गौरव, 'मम्मी। सपने में नहाते हुए मुझे जोर से ठंड लग रही थी। गाना नहीं गाता तो औंर क्या करता।'

□ □ □

लड़का - तुम गाना बहुत अच्छा गाती हो।

लडकी - नहीं , में तो सिर्फ बाथरूम सिंगर हूँ।

लड़का - तो बुलाओ ना कभी , महफिल जमाते हैं।

बेरोजगारी बढ़ने से गंभीर होती चुनौतियां

गुरबचन जगत

मुझे भारत में नियुक्त इटली के राजदूत के लिखे विचारों को पढ़कर कुछ अजीब तो लगा पर हैरानी नहीं हुई, जब वे कहते हैं कि वहां काम करने गए पंजाबियों को वर्क-परमिट इटली के व्यापार जगत के अनुरोध पर जारी हुए हैं, जो इन्हें एक मेहनती समुदाय की नज़र से देखते हैं। राजदूत ने आगे कहा कि यूरोपियन यूनियन के मुल्कों में अप्रवासी भारतीयों की सबसे अधिक गिनती इटली में है और इनमें 80 फीसदी पंजाबी हैं, जिनकी संख्या और बढ़ रही है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय और पंजाबी कामगारों का योगदान इटली की आर्थिकी में अभिन्न है, खासकर कृषि और डेयरी क्षेत्र में। इटली में अप्रवासियों की संख्या में दस गुणा से अधिक वृद्धि हुई है, जो कि वर्ष 1991 में महज 20 हजार से बढ़कर इस साल 2.1 लाख हो चुकी है। भारतीयों का पलायन इटली के अलावा कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएसए इत्यादि अन्य देशों की ओर भी हो रहा है। कनाडा के वीसा चाहवानों की लंबी पंक्ति दूतावास के बाहर लंबी होती जा रही है और यह रोजाना का मंजर है। यही हाल अन्य देशों में जाने की हसरत का है। कनाडा ने चंडीगढ़ में अपने उप-दूतावास का विस्तार इसलिए किया है ताकि वीसा संबंधी काम जल्द निपट सकें। यहां पंजाब सरकार से सवाल करना प्रासंगिक होगा कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बनाने के मामले में उसने क्या किया है। अब तक तो इस दिशा में नए विचारों को अंकुरित हो जाना चाहिए था। आम आदमी पार्टी सत्ता में न केवल विदेशों की ओर हो रहा पलायन रोकने का वादा करके आई थी बल्कि वापसी करवाने का भी लेकिन हुआ क्या? विदेशों को लगी दौड़ न केवल देश के लिए बहुत बड़ी आर्थिक हानि है बल्कि हमारी युवा शक्ति और भविष्य के लिए भी, क्योंकि उनको यहां पर कोई आस नज़र नहीं आ रही है। रोजगार सीमित हैं। पहले विदेशों का रुख अधिकांशतः किसानों के बच्चे करते थे, जो सिकुड़ते खेतों और कमाई के मद्देनज़र पलायन करने लगे। आज कारोबारी, व्यापारी और यहां तक कि नौकरीपेशा तबके के बच्चे भी पश्चिमी देशों की ओर जाने लगे हैं। इस लगातार बढ़ते घाटे को थामने का उपाय रोजगार के अच्छे अवसर बनाना है। यह काम या तो सरकारी नौकरियों के जरिए या फिर निजी क्षेत्र में काम-धंधे पैदा करके होगा। इनमें भी ज्यादा संभावना निजी क्षेत्र में है। इसलिए सवाल जो होना चाहिए वह यह है कि इसके लिए किया क्या जा रहा है? सूक्ष्म, लघु, छोटे, मध्यम एवं विशाल उद्योग-कारोबार को पनपने के लिए मुफीद माहौल कैसे बनाया जा रहा है? यहां बात केवल सरकार से मिलने वाले फंड की नहीं है बल्कि सरकार की भूमिका बतौर माहौल प्रदाता अधिक है। यह कितना निवेश का स्वागत और उत्साहित करने वाला है? विदेशी सरकारों द्वारा निवेशकों के लिए पलक-पांवड़े बिछाने की असंख्य कहानियां हम सुनते हैं। यह इसलिए कि क्योंकि वे जानते हैं कि पीछ-पीछे रोजगार के अवसर खुद-ब-खुद पैदा होंगे और उनके समाज में खुशहाली आएगी। यहां हम मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए तो सारी गुणा-भाग करने में बहुत निपुण हैं पर क्या किसी ने रोजगार और जिलावार या क्षेत्रवार निवेश लाने की जहमत की है? या फिर इसकी अहमियत ही नहीं है? पिछली सरकारें अप्रवासी भारतीयों का राज्य एवं केंद्र स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया करती थीं जिसका नतीजा नगण्य या शून्य रहता था। 'केवल जुबानी-कलामी बातें और ठोस नीति कुछ नहीं' वाले ये आयोजन केवल मीडिया कवरेज पाने तक सीमित रहे। आज, पंजाब में नया निवेश तो क्या आना, उलटे अप्रवासी पंजाबी यहां की अपनी सम्पत्तियां बेचने में लगे हैं। बेशक यह समस्या मौजूदा सरकार की बनाई नहीं है, लेकिन ये लोग रोजगार और विकास का वादा करके ही इतना विशाल बहुमत हासिल कर पाए थे। जब इटैलियन राजदूत को पंजाब के साथ खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी फार्मिंग, कृषि मशीनरी और कोल्ड चेन पैकिंग के क्षेत्र में संयुक्त उपक्रम करने में असीम संभावनाएं दिखाई दे रही हैं तो क्या पंजाब सरकार में किसी को यह सुनाई दिया? क्या इस पर काम करने के लिए कोई योजना बनाई है? सूचना के अनुसार, भारत में तकरीबन 600 इटैलियन कंपनियां हैं, अधिकांशतः महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, दिल्ली और कर्नाटक में। चंडीगढ़ हवाई अड्डा आज भी एक सफल गाथा न बन पाया (अबतक तो नाम बदलना ही शोहरत पाने को मुख्य दावा है)। अगस्त माह तक अनेक अतंर्राष्ट्रीय उड़ानें यहां से शुरू होने की जो बात कही गई थी उसका क्या हुआ? पिछले दशक में ऐसे कई अगस्त आये और चले गए, बहुत पहले इस हवाई अड्डे के अंतर्राष्ट्रीय होने का ऐलान किया गया लेकिन फिर भी देश में सबसे अधिक अप्रवासी भारतीयों वाले एक समुदाय के तौर पर पंजाबियों को विदेशों की उड़ान पकड़ने के लिए दिल्ली जाने की जहमत उठानी पड़ती है। हम किस मुंह से व्यापार और काम-धंधे में निवेश की चाहत रखे हुए हैं जब संभावित निवेशकों को बतायें कि न केवल हमारा अंचल समुद्र तट विहीन है बल्कि विदेशी हवाई उड़ान संपर्क नगण्य है? इसकी तुलना यदि कोच्चि हवाई अड्डे से करें तो 'द हिंदू' की खबर के अनुसार अप्रैल-जून की तिमाही तक लगभग 21 लाख अंतर्राष्ट्रीय यात्री आये-गये। व्यापार और नवउद्योग स्थापित करने हेतु मैत्रीपूर्ण माहौल प्रदान करके ही भारतीय अप्रवासी समुदाय को मूल्यवान स्रोत में तब्दील किया जा सकेगा। इटैलियन राजदूत के विचारों को इतने विस्तार से बताने के पीछे मेरा मकसद केवल उस पैमाने की महत्ता गिनाना है कि जब केवल अकेले इटली से हमारा इतना फायदा हो सकता है तो इसमें विशालकाय ऑस्ट्रेलिया-कनाडा की निवेश और मानव संसाधन के जरिए संयुक्त उपक्रमों को बढ़ावा देने वाली सरकारों को जोड़ लिया जाए तो कितना हो सकता है। बात केवल पंजाब की क्यों? खुद केंद्र सरकार ने करोड़ों नौकरियां देने का वादा किया था। यह तमाम नौकरियां अब कहां गईं? पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और उत्तराखंड में तो कतई नहीं बल्कि सशस्त्र बलों में भर्ती होने की रिवायती रोजगार संभावना भी नाकाफी है। अब तो इन राज्यों के युवा भी विदेशी मुल्कों का रुख करने लगे हैं। सांसद महुआ मित्रा ने राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए संसद में कहा है कि अक्तूबर माह में देश का औद्योगिक उत्पादन 4 प्रतिशत घटा है जोकि पिछले छह महीनों का न्यूनतम है और विनिर्माण क्षेत्र, जो आज भी रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत है, इसमें भी 5.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है (एनडीटीवी के अनुसार)। महुआ ने हमारे सामाजिक ताने-बाने के एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र के आंकड़ों के हवाले से कहा कि लगभग 2 लाख लोगों ने 2022 के पहले 10 महीनों में भारतीय नागरिकता त्याग दी है। जबकि पिछले नौ साल के दौरान यह संख्या कुल मिलाकर 12.5 लाख थी। इन आंकड़ों से कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि विदेशी नागरिकता लेने के चाहवानों में अधिसंख्य मध्य-स्तर के कारोबारी होंगे। यह स्थिति पहले ही ठिठक चुकी अर्थव्यवस्था में और अधिक बेरोजगारी बनाएगी। 13 दिसम्बर को वित्त मंत्री ने अपने संसदीय व्यक्तव्य में कहा कि बैंकों ने पिछले 5 वित्तीय वर्षों में 10 लाख करोड़ के ऋण माफ किए हैं। 'द ट्रिब्यून' में छपी एक खबर में बताया गया कि रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को सूचित किया है कि कुछ प्रावधानों के अंतर्गत चोटी के 25 ऋण डिफाल्टरों के अलावा 10 लाख करोड़ का कर्ज दबाए बैठे अन्य लोगों के नाम उजागर नहीं किए जा सकते। वहीं अगर कोई आम आदमी स्कूटर, कार, घर के लिए उठाया ऋण वापस न कर पाए तो सब जानते हैं कि बैंकों ने उगाही के लिए विशेष टीमें बना रखी हैं, जो जोर-जबरदस्ती करने को उतारू हो जाती हैं और कुछ नहीं मिला तो इनको जब्त कर लेती हैं। मैं खुद के अर्थशास्त्री होने का दावा नहीं करता इसलिए यह गड़बड़झाला आम आदमी की भाषा में समझाने का काम विशेषज्ञों पर छोड़ता हूं। इस तमाम तफ्सील के पीछे बिंदु यह है कि एक ओर केंद्र सरकार युवाओं के लिए यथेष्ट संख्या में रोजगार पैदा करने में विफल रही है तो दूसरी ओर बड़े और मध्यम कारोबारी घराने अपने काम-धंधों को मुनाफादायक बनाने में असफल हुए हैं और कर्ज माफी पा गए, हम आम लोगों के लिए क्या? अर्थव्यवस्था और रोजगार का क्या होगा? लाखों युवा बेकार घूम रहे हैं और नशा बेचने वालों व अपराधी टोलों का आसान निशाना हैं। मीडिया की खबरों के अनुसार पड़ोसी देशों से आने वाले मादक पदार्थों की पंजाब में भरमार है। जितनी मात्रा पकड़ में आई है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि असल में समाज में कितनी बिक रही होगी। सबसे बड़ी खेपें महाराष्ट्र और गुजरात के तटों से आ रही हैं, कुछ ही मात्रा पकड़ में आई है। वास्तव में, समूची तटरेखा में स्मगलिंग के लिहाज से सुराख हैं और इस पर नियंत्रण के लिए राज्य एवं केंद्र सरकारों को संयुक्त रूप से काम करना होगा। हथियार न केवल सीमा पार से आ रहे हैं बल्कि देश में भी बन रहे हैं। अपराध और अपराधी फल-फूल रहे हैं, स्थानीय लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। तमाम मुख्य शहरों और यहां तक कि छोटे शहरों से रोजाना अखबारों में दिमाग को सुन्न कर देने वाली संख्या में बलात्कार, हमले, चोरियों इत्यादि के मामले पढ़ने को मिल रहे हैं। 'गैंग' शब्द हमारे शब्दकोष में नया घुस आया है। आज की तारीख में गैंगस्टर, गायक, नशा समग्लर, हथियारों के सौदागर और राजनीति एवं आपराधिक न्याय तंत्र में बैठे उनके आकाओं का गठजोड़ बना हुआ है। इन दिनों जो पुलिस राजनीतिक आकाओं का हुक्म बजाने में ज्यादा मशगूल है वह क्योंकर वक्त की हकीकतों को जवाबदेह होने लगी। कानून का राज अब राजनीतिक एजेंडे और जरूरतों के निज़ाम में तब्दील हो चुका है। इस आपराधिक स्थिति में इजाफा देश में गतिविधियां चला रहे चरमपंथी संगठन कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर-पूर्वी राज्यों और जनजातीय क्षेत्रों में असहज शांति की स्थिति है। राज्य एवं केंद्र सरकार को अपने संसाधन मिलाकर इस स्थिति का सामना करना होगा क्योंकि चीन और पाकिस्तान से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा और नियंत्रण रेखा पर भी हम टाइम बम पर बैठे हैं। इन तमाम समस्याओं का उत्तर बढ़िया प्रशासन से शुरू होता है। समय आ गया है कि सरकारें संस्थानों और प्रशासनिक तंत्र की मशीनरी की आजादी सुनिश्चित करें और इनका इस्तेमाल साझा अच्छाई के हितार्थ करें।

आध्यात्मिकता का अर्थ क्रिया में प्रेम है - संत राजिंदर सिंह जी महाराज

एक बार जब हम आत्मा के लिए द्वार खोलते हैं, तो हम अपने जीवन को आंतरिक और बाहरीदुनिया में संतुलित करना सीख सकते हैं। बाहरी दुनिया में अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए हमारी आत्माकी खोज करना एक कला है जिसे हम मास्टर कर सकते हैं।

आध्यात्मिकता का अर्थ क्रिया में प्रेम है। इसका अर्थ है अपने आध्यात्मिक धन का आनंद लेना और उन्हें हमसभी के साथ साझा करना । हम अपनी सांसारिक जिम्मेदारियों के साथ, अपने भीतर के फलों काआनंद ले कर और मानवता के साथ अपने उपहारों को साझा करके अपनी आध्यात्मिक प्रथाओंको संतुलित करना सीख सकते हैं।अंतर की ओर देखनाभीतर की ओर देखने का अर्थ है कि हम आंतरिक आनंद की स्थिति में हैं। हम ईश्वर और समस्त जीवन के साथ अपनी आत्मा की जुड़ाव के प्रति सचेत हैं। हम उस निडरता से मज़बूत होते हैं, जो हमारी आत्मा की पहचान के साथ आती है। हम इस ज्ञान में रहते हैं कि हम अमर हैं। जिस तरह एक कंप्यूटर मॉनीटर हार्ड ड्राइव से जुड़ा होता है और उससे डेटा प्राप्त कर सकते हैं, वैसे ही हमें प्लग इन किया जाता है और स्रोत से एक सतत स्ट्रीम प्राप्त होती है, सभी ज्ञान, बिना शर्त प्यार, और आनंद। हम प्रतिदिन ध्यान करने के लिए विशिष्ट समय समर्पित करते हैं, लेकिन जब ध्यान में नहीं होते हैं, तब भी हम अपनी आत्मा के अनुरूप होते हैं। दिन भर, जैसा कि हम अपने काम के बारे में जाते हैं, आनंद हमारे माध्यम से आता है, ज्ञान हमें उपलब्ध है, निर्भयता और शक्ति हमें निर्वाह करती है, और हमें आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर कार्य करने का अधिकार है। हमारे जीवन के हर पल को समृद्ध करते हुए, धारा हर समय हमें भीतर से बचाती है।

जब हम एक सांसारिक प्यारे से प्यार में होते हैं, तो पूरी दुनिया प्यार के रंग में रंग जाती है। हम चीजों कोरसदार और आनंदित के रूप में देखते हैं। इसी तरह, जब भीतर से आनंद की स्थिति में, यह दुनिया को आनंद केरूप में रंगता है। हम जहां भी देखते हैं परमानंद को देखते हैं।

बाहर की ओर देखना जबकि हमें ईश्वर को खोजने के लिए इनवर्टर की आवश्यकता है, हमें अपने आसपास के लोगों के साथ व्यवहारकरते समय अंतर्मुखी होने की आवश्यकता नहीं है। बाहर की ओर देखने का अर्थ यह है कि हम अपने बाहरीवातावरण में क्या हो रहा है, इसके बारे में अत्यधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हम अपना ध्यान वहां रखसकते हैं जहां हम चुनते हैं। दूसरों की जरूरतों के बारे में हमारी जागरूकता, हमारी एकाग्रता, हमारीसंवेदनशीलता और हमारी आध्यात्मिक विकास के साथ हमारी करुणा बढ़ती है। जितना अधिक हम उलटाकरते हैं, हम दूसरों की जरूरतों के बारे में जानते हैं। एक संकेत है कि हम आध्यात्मिक रूप से बड़े हो गए हैं कि हम कम आत्म-अवशोषित और स्वार्थी हैं और अधिक मानवतावादी और स्वार्थरहित हैं। जितना अधिक हम अपने भीतर आत्मा के लिए होते हैं, उतना ही हमारे साथी के लिए प्यार, करुणा और सेवा करते हैं।

जब हम अपनी आत्मा की आँखों से बाहरी दुनिया को देखते हैं, तो हम पौधों और जानवरों में भी भगवान के प्रकाश को चमकते हुए देखते हैं, और हम अपने जीवन को इस तरह से जीना शुरू करते हैं जैसे कि सभी जीवित चीजों को संरक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हम आध्यात्मिक रूप से बढ़ते हैं, हम जानवरों और पौधों सहित दूसरों के लिए अधिक ग्रहणशील हो जाते हैं। जब हम अन्य लोगों और जीवन के सभी रूपों के साथ व्यवहार करते हैं तो हम अधिक देने और देखभाल करने वाले बन जाते हैं।

भीतर की ओर और बाहर की ओर देखना जब हम संतों और मनीषियों के जीवन की जांच करते हैं, तो हम पाते हैं कि उन्होंने अपना जीवन दूसरों की मदद करने के लिए समर्पित कर दिया। वे हंस की तरह थे जो पानी में रहते हैं लेकिन सूखे पंखों से उड़ते हैं। जबकि हर समय वे निर्माता के साथ मेल खाते हैं, फिर भी वे दूसरों के बीच रहते हैं, जीवन में पूरी तरह से भाग लेते हैं।

हम भी इस अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। प्रतिदिन ध्यान में समय बिताकर, हम अपनी आत्मा की शक्ति का पता लगा सकते हैं, अपने जीवन को ज्ञान, अमरता, प्रेम, निर्भयता, जुड़ाव और आनंद के साथ समृद्ध कर सकते हैं।

(चिंतन-मनन)

ईमानदारी सर्वोत्तम

एक राजा ने अपने उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए राज्य के सभी नौजवानों को एक-एक बीज दिया और कहा इसे गमले में लगाकर सींचना और एक वर्ष के पश्चात मेरे पास लेकर आना। जिसका पौधा सबसे अच्छा होगा उसे राजा घोषित किया जाएगा। सब बीज लेकर खुशी-खुशी लौटे। पांच-छह दिन गुजर जाने पर भी जब बीज अंकुरित नहीं हुआ तो सबने उसी प्रकार का बीज नर्सरी से खरीदकर अपने-अपने गमले में लगा दिया और सींचने लगे। इन सबमें केवल भोलू नाम का नौजवान ही ऐसा था जिसने दूसरा बीज खरीदने का दुस्साहस नहीं किया। कुछ दिनों के पश्चात सभी युवा अपने-अपने हरे-भरे गमले के साथ राजा के सम्मुख पेश हुए केवल भोलू ही खाली गमले के साथ कोने में नजरें चुराए खड़ा था। राजा ने उसे पास बुलाया और घोषणा कर दी कि भोलू ही मेरा उत्तराधिकारी है। जब जनता ने उसके खाली गमले को प्रश्नवाचक नजरों से देखा तो राजा ने सभी के समक्ष यह भेद खोला कि मैंने उबले हुए बीज सभी को दिए थे। भोलू ने उसी उबले बीज को सींचा जबकि शेष सभी ने राजा बनने के लिए बीज बदल लिए। ये बड़े-बड़े पौधे बेईमानी की कहानी कह रहे हैं। सत्य तो यही है कि बीज तो अंकुरित होना ही नहीं था बावजूद इसके भोलू हिम्मत व ईमानदारी से अपना खाली गमला ही मेरे पास लेकर आया। इसलिए अगला राजा भोलू ही होगा। यदि हम बुद्धि रूपी जमीन पर ईमानदारी का बीजारोपण कर उसे सींचेंगे तो निसंदेह उस पर विश्वास रूपी मीठे फल निकलेंगे।

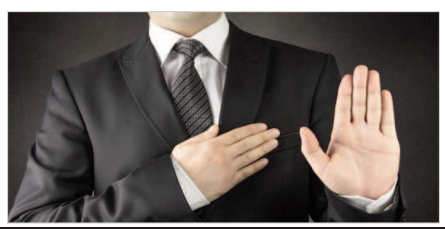

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को

भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला: स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग: धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली: उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी: शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली: पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

सोने और चांदी में तेजी आई

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। मल्टी कमोडिटी एक्चे सचेंज पर शुरुआती कारोबार में सोना 0.05 फीसदी ऊपर आया। वहीं चांदी 0.12 फीसदी ऊपर आयी है। वहीं गत दिवस एमसीएक्चे स पर सोना 1.08 फीसदी और चांदी 3.14 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए थे। बुधवार को वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव कल के बंद भाव से 25 रुपये उछलकर 54923 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गयी। चांदी का भाव 85 रुपये ऊपर आकर 69727 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया। इससे पहले गत दिवस चांदी 2118 रुपये की तेजी के साथ 69630 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल रहा। चांदी के दाम 4 फीसदी से ज्यादा उछल गये जबकि सोने की कीमतें कल के बंद भाव के मुकाबले 1.56 फीसदी बढ़कर 1815.13 डॉलर प्रति औंस हो गयीं।

एप्पल ने अमेरिका में एम1 मैक डेस्कटॉप के लिए सेल्फ-रिपेयर प्रोग्राम का विस्तार किया

सैन फ्रांसिस्को। टेक जायंट ऐप्पल ने यूएस में एम 1-संचालित मैक डेस्कटॉप के लाइनअप में अपने स्वयं सेवा मरम्मत कार्यक्रम का विस्तार किया है।द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, ग्राहक अब आईमैक, मैक मिनी और मैक स्टूडियो के लिए असली रिपेयर पार्ट्स ऑर्डर कर सकते हैं। उपयोगकर्ता इन सभी प्रोडक्ट्स के लिए कंपनी की वेबसाइट पर रिपेयर मैनुअल का कलेक्शन ब्राउज कर सकते हैं और यदि वे स्वयं सर्विस रिपेयर कार्यक्रम का लाभ लेना चाहते हैं तो मैनुअल के माध्यम से जा सकते हैं। कुछ भागों की लागत उपयोगकर्ताओं को रिपेयर करने से हतोत्साहित कर सकती है, यदि वे निर्देशों में जो देखते हैं वह उन्हें डराता नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यक्रम में स्टूडियो डिस्प्ले भी जोड़ा गया है। तकनीकी दिग्गज ने नैनो-टेक्सचर डिस्प्ले रिप्लेसमेंट को 967.12 डॉलर के रूप में सूचीबद्ध किया है, जो उपयोगकर्ताओं द्वारा अपनी मूल टूटी हुई स्क्रीन को वापस करने के बाद 879.12 डॉलर पर आ गया। टूल किट किराए पर लेने की कीमत 49.00 डॉलर है, हालांकि उपयोगकर्ता सब कुछ वापस करने के बाद उसके लिए रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। यदि उपयोगकर्ता का स्टूडियो डिस्प्ले मूल रूप से मैट विकल्प के साथ आता है और इसके विपरीत, उपयोगकर्ताओं को ग्लॉसी रिप्लेसमेंट डिस्प्ले ऑर्डर करने की अनुमति नहीं है। एप्पल ने अपना सेल्फ-सर्विस रिपेयर प्रोग्राम अगस्त में हाल के आईफोन्स के साथ शुरू किया था।

गूगल ने पेश किया नया परचेज रिक्वेस्ट फीचर

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने नया परचेस रिक्वेस्ट फीचर जोड़ा है जो परिवारों को बच्चों की खरीदारी को स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प प्रदान करेगा।टेक दिग्गज ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, परचेस रिक्वे स्ट से परिवारों के लिए भुगतान किए गए ऐप और इन-ऐप खरीदारी दोनों को सुरक्षित रूप से खरीदना आसान हो जाएगा। यदि उपयोगकर्ताओं के पास परिवार पैमेंट मेथड सेट अप नहीं है, तो 13 वर्ष से कम आयु के बच्चे सीधे परिवार प्रबंधक को परचेस रिक्वे स्ट भेज सकेंगे। उपयोगकर्ता तब अपने डिवाइस पर एप्लिकेशन या इन-ऐप खरीदारी के बारे में अनुरोध और महत्वपूर्ण जानकारी का मूल्यांकन कर सकते हैं और तय कर सकते हैं कि खरीदारी पूरी होनी चाहिए या नहीं। यदि वे खरीदारी पूरी करने का निर्णय लेते हैं, तो वे गूगल प्ले गिफ्ट कार्ड सहित अपनी स्वयं की स्टोर्ड पैमेंट मेथड्स का उपयोग कर सकते हैं। परिवार प्रबंधकों को इन परचेस रिक्वेस्ट के लिए रीयल-टाइम सूचनाएं प्राप्त होंगी, लेकिन बाद में निर्णय लेने के लिए वे इसे अप्रूवल रिक्वेस्ट क्यू में भी देख सकते हैं।

अर्थव्यवस्था मजबूत पर वैश्विक कारणों का पड़ सकता है असर, RBI गवर्नर ने क्रिप्टो पर फिर जताई चिंता

नई दिल्ली: (एजेंसी)

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर देश की इकोनॉमी पर एक बार फिर अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि भारत की अंतर्निहित आर्थिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं, और आने वाले समय में भी इसके मजबूत बने रहने की संभावना है। हालांकि आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा है कि देश के बाहरी कारक अर्थव्यवस्था को कुछ नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनमें जियो पॉलिटिकल तनाव और वैश्विक मंदी की आशंका शामिल हैं। भारत के केंद्रीय बैंक के प्रमुख ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगला वित्तीय संकट निजी क्षेत्र के क्रिप्टोकरेंसी से आएगा और उनका अभी भी मानना है कि क्रिप्टोकरेंसी को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह भी कहा कि क्रिप्टोकरेंसी का कोई अंतर्निहित मूल्य नहीं है और व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करता है।

BFSI समिट को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के क्रिप्टोकरेंसी बेहद खतरनाक है। आरबीआई गवर्नर पहले भी कह चुके हैं कि इससे देश की व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

पीएलआई योजना के तहत फॉक्सकॉन के लिए 357 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली: सरकार ने मोबाइल फोन के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एप्पल की आपूर्तिकर्ता फॉक्सकॉन इंडिया के लिए 357.17 करोड़ रुपए तथा डिक्सन टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 58.29 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। यह पहला मौका है जब सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़ी किसी वैश्विक कंपनी के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। नीति आयोग ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी। फॉक्सकॉन इंडिया ताइवान की बहुराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अनुबंध विनिर्माता है। इसका मुख्यालय न्यू ताइपे सिटी में है। सितंबर, 2022 तक बड़े पैमाने के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण (एलएसईएम) के लिए चलाई गई पीएलआई योजना के तहत 4,784 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया गया है। इससे 80,769 करोड़ रुपए के निर्यात सहित 2,03,952 करोड़ रुपए का उत्पादन हुआ है।

अब भारत में बनेगा एप्पल का आईफोन 16, जमीन के लिए तीन कंपनियों ने दिया आवेदन

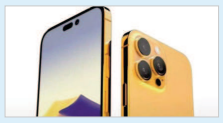

ग्रेटर नोएडा। यमुना अथॉरिटी में बड़ी-बड़ी कंपनियां जमीन लेने के लिए इच्छुक हैं और उन्होंने अथॉरिटी से जमीन की मांग की है। एप्पल और तीन सहयोगी कंपनियों ने मोबाइल की एसेसरीज बनाने के लिए यमुना प्राधिकरण में आवेदन किया है। कंपनियों ने करीब 23 एकड़ जमीन पर 2800 करोड़ के निवेश से इकाई लगाने का प्रस्ताव रखा है। आईफोन 16 भारत में ही बनाने की योजना है। यमुना प्राधिकरण के अधिकारी पिछले सप्ताह जापान और कोरिया से निवेश जुटाने के लिए गए थे। वहां एप्पल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई, इसमें अप्पल और उसकी सहयोगी कंपनियों ने भारत में 2800 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव रखा है। इंक बनाने वाली एप्पल की सहयोगी कंपनी सीको एडवांस लिमिटेड यीडा के सेक्टर 29 में 5 एकड़ में अपना उत्पाद बनाने की इच्छा जाहिर की है। यह कंपनी 850 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और हजारों लोगों को रोजगार देगी। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुण वीर सिंह ने बताया कि एप्पल और सहयोगी कंपनियों को सेक्टर 29 में जमीन दी जाएगी। यह सेक्टर पहले से ही विकसित है और यहां पर कई सुविधाएं लगभग तैयार है। इससे कंपनियां निर्माण के बाद उत्पादन शुरू कर सकेंगी और इन कंपनियों में करार कर यमुना प्राधिकरण के समक्ष 10 फीसद राशि जमा करा दी है।

इलेक्ट्रिक वाहनों से बदल जाएंगे डीजल-पेट्रोल वाले वाहन

देश भर में जगह-जगह बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगले पांच सालों में हिमाचल प्रदेश की सरकार चरणबद्ध तरीके से पेट्रोल-डीजल वालनों को जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलेगी। अगले 5 साल में सरकारी विभाग सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेगा और चार्जिंग स्टेशन भी बढ़ाए जाएंगे। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने बताया कि पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा रखने के लिए ईवी को प्राथमिकता दी जा रही है। नरेश चौहान ने कहा ÷हम पर्यावरण को संरक्षित करेंगे और ऊर्जा की भी बचत करेंगे। हमारी सरकार ने अगले पांच वर्षों के दौरान सभी सरकारी विभागों में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जाने का फैसला किया है। अब से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे जाएंगे और चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।÷ इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने तेजी से ग्रीन फ्यूल को अपनाने का फैसला किया है। वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सुक्खू ने कहा कि राज्य में वाहनों की बढ़ती आवाजाही के बीच सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन मालिकों की सुविधा के लिए रणनीतिक रूप से पहचाने गए गंतव्यों पर सबसे ज्यादा चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे समाज कल्याण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तेजी से काम करें। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फाडा) ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 39329 इकाई रही थी। कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री पिछले महीने में 178 प्रतिशत उछलकर 3745 इकाई रही जो

एक साल पहले इसी महीने में 1346 इकाई थी।हाल ही में बैन एंड कंपनी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 2030 तक 40-45 प्रतिशत ईवी टू-व्हीलर और 15-20 प्रतिशत संख्या इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर को होने की उम्मीद है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर करीब 185 प्रतिशत बढ़कर 111971 इकाई रही। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री शामिल है।

माईग्लैम ने ब्रांड एम्बेसडर श्रद्धा कपूर के एक टीवीसी के साथ अपनी पहली सीरम इन्फ्यूज़्ड 'सुपर सीरम' फेस मेकअप रेंज पेश की

नई दिल्ली। भारत के नं. 1 डी2सी ब्यूटी ब्रांड, माईग्लैम ने बहुआयामी 'सुपर वीमैन' के लिए अब तक कीउनकीपहली सीरम-इन्फ्यूज़्ड मेकअप रेंज – सुपर सीरम मेकअप रेंज लॉन्च की है। यह रेंज बहुत दिलचस्प तरीके से नए युग के आधुनिक फॉर्मेट टीवीसी में लॉन्च की गई है, जिसमें ब्रांड एम्बेसडर और इन्वेस्टर, श्रद्धा कपूर इस रेंज के सुपर फीचर्स का प्रदर्शन कर रही हैं। हायलुरोनिक एसिड जैसे तत्वों के साथ नई रेंज के उत्पाद सर्वश्रेष्ठ मेकअप और स्किन-फ्रेंडली सीरम के गुणों से युक्त हैं।

इस वेगन और क्रूएल्टी-फ्री सुपर सीरम फेस मेकअप रेंज में बीबी क्रीम, कंपैक्ट, कंसीलर और फाउंडेशन है। इसके हर उत्पाद में हायलुरोनिक एसिड की शक्ति है, जो पानी में 1000 गुना वजन धारण करता है, ताकि त्वचा में नमी बनी रहे और उसका लचीलापन व कसाव बना रहे, साथ ही एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को होने वाली क्षति से बचाते हैं। ब्रांड के रंग बोल्ड और ब्यूटीफुल गोल्ड में पैक की गई सुपर सीरम फेस मेकअप रेंज हमेशा साथ रखने के लिए है।

यह टीवीसी पुब्लिसिस वर्ल्डवाईड द्वारा बनाया गया है, और इसका निर्देशन सोहिनी दासगुप्ता और शाची मल्होत्रा ने किया है। इसमें एक आकर्षक जिंगल है, जो आज की सुपर वीमैन को पुकार रही है, जो सभी को प्रभावित करती हैं, लेकिन उन्हें अपना पुराना मेकअप त्यागकर पूरा दिन ग्लैम दिखने के लिए गोल्ड आजमाने की जरूरत है।

इस लॉन्च के बारे में सुखलीन अनेजा, सीईओ, ब्यूटी एवं एफएमसीजी ब्रांड्स, द गुड ग्लैम ग्रुप ने कहा, ''हम अपनी ब्रांड एम्बेसडर, श्रद्धा कपूर के टीवीसी के साथ अपने पहले सीरम-इन्फ्यूज़्ड फेस मेक-अप रेंज के लॉन्च की घोषणा करके बहुत उत्साहित हैं। यह टीवीसी आज की सुपर वीमैन की जरूरतों को दिखाता है, जो सदैव व्यस्त रहती हैं, लेकिन उन्हें अपना पुराना मेकअप त्यागकर एक बहुआयामी उत्पाद आजमाने की जरूरत है, जो उन्हें ऐसा मेकअप प्रदान करे, जिससे उन्हें आकर्षक दिखने के साथ त्वचा के फायदे भी मिलें।

साथ ही यह रेंज आपकी त्वचा को पूरा दिन नम बनाए रखने के लिए डिज़ाईन की गई है।''

माईग्लैम की ब्रांड एम्बेसडर और इन्वेस्टर श्रद्धा कपूर ने नई रेंज और टीवीसी के बारे में बताया, ''सुपर सीरम फेस मेकअप रेंज सर्वश्रेष्ठ मेकअप और स्किनकेयर प्रदान करती है। यह मेकअप की दैनिक दिनचर्या के लिए संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती है। यह आधुनिक महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी है। मुझे इस टीवीसी में काम करने में बहुत मजा आया। यह उन महिलाओं से जुड़ने का बहुत मजेदार तरीका है, जो ग्लैमरस महसूस करना और दिखना चाहती हैं।''

कई जगह पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया भर के बाजारों में जहां तेल की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं देश में सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों को घटाया है। इससे उत्तर प्रदेश से लेक बिहार तक कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हुई हैं हालांकि चारों महानगरों में आज भी तेल की कीमतें पहले के तरह ही बनी हुई हैं। आज गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 27 पैसे गिरकर 96.65 रुपये लीटर पहुंच गया जबकि डीजल 26 पैसे फिसलकर 89.82 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 14 पैसे ऊपर आकर 96.57 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल 13 पैसे बढ़कर 89.76 रुपये प्रति लीटर पर पहुंचा है। वहीं पटना में पेट्रोल की कीमतें 17 पैसे सस्ते ता कम हुईं जिसये ये 107.95 रुपये पहुंच गया जबकि डीजल 16 पैसे नीचे आकर 94.70 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में कोई अधिक खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड बढ़त के साथ ही 79.99 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

यूट्यूब पारिस्थितिकी का भारत की जीडीपी में 10,000 करोड़ रुपये का योगदानः रिपोर्ट

नयी दिल्ली, (एजेंसी)

ऑनलाइन वीडियो मंच यूट्यूब से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10,000 करोड़ रुपये का योगदान देने के साथ करीब 7.5 लाख पूर्णकालिक-समकक्ष रोजगार को भी समर्थन दिया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स' के विश्लेषण पर आधारित 'यूट्यूब प्रभाव' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 4,500 से अधिक यूट्यूब चैनलों के 10 लाख से अधिक ग्राहक थे और भारत में एक लाख रुपये से अधिक का सालाना राजस्व कमा रहे चैनलों की संख्या सालाना आधार पर वर्ष 2021 में 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, 'यूट्यूब की रचनात्मक पारिस्थितिकी ने वर्ष 2021 में देश की जीडीपी में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया और भारतीय अर्थव्यवस्था में 7,50,000 से अधिक पूर्णकालिक नौकरियों का समर्थन किया। इसका आर्थिक प्रभाव प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, प्रेरित और उत्प्रेरक प्रभाव यानी चार तरीकों से दिखाई देता है।'' यूट्यूब ने एक ब्लॉग में कहा, ''यूट्यूब ने 2021 में सिर्फ स्वास्थ्य स्थिति वाले वीडियो को 30 अरब से अधिक दर्शक मिले। इसे देखते हुए स्वास्थ्य सेवा संस्थानों- नारायण हेल्थ, मणिपाल हॉस्पिटल्स, मेदांता और शाल्बी मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स को जोड़ने का फैसला किया गया है।' ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स ने यूट्यूब के प्रभाव का आकलन करने के लिए 4,021 यूट्यूब उपयोगकर्ताओं, 5,633 सृजनकर्ताओं और 523 व्यवसायों का सर्वेक्षण किया।

ईवी वाहनों की लागत को कम कर सकते हैं हैवी रेयर अर्थ-फ्री चुम्बक

नई दिल्ली। (एजेंसी)

वैज्ञानिकों ने उन्नत कम लागत वाले हैवी रेयर अर्थ-फ्री उच्च एनडी-एफई-बी से निर्मित चुम्बक निर्मित किए हैं, जिनकी इलेक्ट्रिक वाहनों में अत्यधिक मांग है। यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों को अधिक किफायती बना सकती है।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन ऐसे ब्रश रहित डीसी (बीएलडीसी) मोटर्स का उपयोग करते हैं जो दुर्लभ तत्वों एनडी-एफई-बी से निर्मित चुम्बक से बने होते हैं। 1984 में सगावा द्वारा इसकी खोज के बाद से ही एनडी-एफई-बी चुंबक अपने चुंबकीय गुणों के असाधारण संयोजन के कारण कई अनुप्रयोगों के लिए सबसे अधिक मांग वाली स्थायी चुंबकीय सामग्रियों में से एक रहा है । इलेक्ट्रिक वाहनों में उपयोग किए जाने वाले एनडी-एफई-बी चुम्बक 150-200 डिग्री सेल्सियस के उच्च तापमान पर काम करते हैं। विचुंबकीकरण के लिए ऐसा उच्च प्रतिरोध की क्षमता प्रदर्शित करने की आवश्यकता होती है जो शुद्ध एनडी-एफई-बी चुम्बक में नहीं होती है। इसलिए विचुम्बकीकरण (डीमैग्नेटाइजेशन) के प्रतिरोध को बेहतर बनाने के लिए डिस्प्रोसियम (डीवाई -) धातु को एक मिश्र धातु के रूप में जोड़ा जाता है। विश्व भर में शोधकर्ता महंगे डिस्प्रोसियम (डीवाई) को शामिल किए बिना एनडी-एफई-बी चुम्बकों की बलपूर्वकता को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। बलपूर्वकता बढ़ाने के लिए अनुसंधान समुदाय द्वारा अपनाई गई एक रणनीति उपयुक्त ताप उपचार (कण सीमा प्रसरण) के माध्यम से अ-चुंबकीय तत्वों के साथ एनडी-एफई-बी चुम्बक के कणों के बीच के क्षेत्र को समृद्ध करना है। हाल ही में ऐसे मेल्ट-स्पून रिबन की बलपूर्वकता को बढ़ाया है जो गैर-चुंबकीय तत्व के स्रोत के रूप में कार्य करता है। नियोबियम (एनबी) की वर्षा के कारण कण सीमा प्रसरण के दौरान सीमित मात्रा में कणों के विकास की सूचना दी है, जो एनडी-एफई-बी पाउडर के विचुंबकीकरण के प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए कणों की सीमाओं पर तांबा के संवर्धन की सुविधा प्रदान करता है।

टेस्ला का स्टॉक सबसे निचले स्तर पर, मस्क ने मैक्रोइकॉनॉमिक स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया

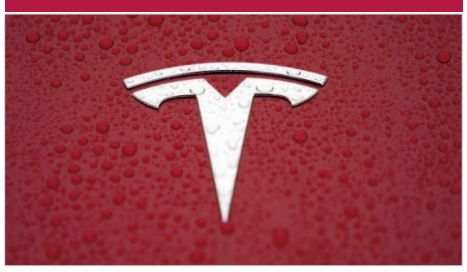

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों में लगभग 137 डॉलर की गिरावट आई है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। एलन मस्क ने बुधवार को इसके लिए फिर से वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया।इस साल अप्रैल में मस्क द्वारा ट्विटर को खरीदे जाने के बाद से टेस्ला के शेयरों में भारी गिरावट आई है। तब से टेस्ला के शेयरों में 60 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है, क्योंकि मस्क ट्विटर पर दैनिक मामलों के सूक्ष्म प्रबंधन में व्यस्त हैं। टेस्ला के रॉस गेरबर ने ट्वीट कियाः टेस्ला स्टॉक की कीमत अब कोई सीईओ नहीं होने के मूल्य को दर्शाती है। ग्रेट जॉब टेस्ला बीओडी- टाइम फॉर ए शेक अप टेस्ला। मस्क ने जवाब दिया, जैसा कि बैंक बचत खाते की ब्याज दरें गारंटीशुदा हैं, स्टॉक मार्केट रिटर्न की ओर बढ़ना शुरू कर देती हैं, जिसकी गारंटी नहीं है, लोग तेजी से अपने पैसे को स्टॉक से नकदी में ले जाएंगे, इस प्रकार शेयरों में गिरावट आएगी। जैसा कि टेस्ला के शेयरों में भारी नुकसान हुआ है, एलन मस्क ने पिछले हफ्ते मौजूदा स्थिति के लिए फेडरल रिजर्व को दोषी ठहराते हुए कहा था कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी पहले से बेहतर कर रही है। टेस्ला के गिरते शेयरों ने मस्क की कुल संपत्ति को प्रभावित किया है, जो 174 अरब डॉलर तक गिर गई, जिससे वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वहीं फ्रांसीसी फैशन और कॉस्मेटिक मैग्नेट बर्नार्ड अरनॉल्ट सबसे अमीर व्यक्ति की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए। मस्क ने 2022 में अपनी नेटवर्थ में 100 अरब डॉलर से अधिक की गिरावट देखी है।

2024 के लिए नियोजित आईफोन एसई 4 के उत्पादन को रद्द या स्थगित कर सकता है एप्पल

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)

टेक दिग्गज एप्पल कथित तौर पर 2024 के लिए नियोजित आईफोन एसई 4 के बड़े पैमाने पर उत्पादन को रद्द या स्थगित कर देगा।एप्पल विश्लेषक मिंग-ची कुओ ने ट्विटर पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि एप्पल डिवाइस के प्रोडक्शन में देरी या स्क्रैप करेगा। उन्होंने ट्वीट किया, मेरा लेटेस्ट सर्वेक्षण इंगित करता है कि एप्पल 2024 आईफोन एसई 4 के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन योजना को रद्द या स्थगित कर सकता है। मुझे लगता है कि यह मिड-टू-लो-एंड आईफोन्स (जैसे, एसई 3, 13 मिनी और 14 प्लस) के लगातार कम-से-अपेक्षित शिपमेंट के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि आईफोन एसई4 के लिए एप्पल ने जिस फुल-स्क्रीन डिजाइन को ध्यान में रखा है, उसके लिए उच्च लागत और बिक्री मूल्य की आवश्यकता होगी। कुओ ने कहा, ऐसी चिंताएं रही हैं कि एसई 4 के फुल-स्क्रीन डिजाइन से उच्च लागत/विक्रय मूल्य में वृद्धि होगी। नतीजतन, एप्पल को एसई 4 के लिए उत्पाद की स्थिति और निवेश पर वापसी पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है। इसके अलावा, कुओ ने साझा किया कि अनावश्यक नए उत्पाद विकास खचरें को कम करने से कंपनी को 2023 में वैश्विक आर्थिक मंदी की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उत्पादन लागत, लाभ मार्जिन बनाए रखने की आवश्यकता और चेसिस में टाइटेनियम जैसी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री को शामिल करने के कारण उच्च कीमत है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम के कप्तान ने गाबा पिच पर उठाये सवाल

ब्रिसबेन । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान डीन एल्गर ने गाबा पिच पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसमें जरुरत से ज्यादा नमी थी। गाबा में ऑस्ट्रेलिया ने दो दिनों के अंदर ही पहला टेस्ट मैच जीत लिया था। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए इस में दो दिन में ही 34 विकेट गिरे। दक्षिण अफ्रीका ने दो पारियों में 152 और 99 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से मैच जीत लिया। एल्गर ने मैच के बाद कहा 'अब भी यही सोच रहा हूं कि इस मैच में क्या हुआ। विकेट से गेंदबाजों को काफी अधिक मदद मिल रही थी। इस पर बल्लेबाजों के लिए काफी कड़ी चुनौती थी। इसमें गेंद और बल्ले के बीच बराबरी का मुकाबला नहीं हुआ.' यह ऑस्ट्रेलिया में अब तक का दूसरा सबसे जल्दी खत्म होने वाला टेस्ट था।इस मैच में केवल 867 गेंदें फेंकी गई। इस दौरान गेंदबाजों ने पहले दिन 15 और दूसरे दिन 19 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया में 91 वर्षों में यह पहली बार था जब दो दिनों के भीतर टेस्ट समाप्त हो गया और पूर्व कप्तान मार्क वॉ सहित पूर्व खिलाड़ियों ने भी इस पिच की आलोचना की.

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में स्थिति सुधारने के लिए भारत की बड़ी जीत जरूरी

मीरपुर।

पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में अपनी स्थिति सुधारने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा। इस मैच में कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल पर भी सभी की नजरें रहेंगी क्योंकि वह पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। डब्ल्यूटीसी तालिका में दो शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए होड़ बढ़ गई है। भारत 55.77 के प्रतिशत अंक (पीसीटी) के साथ दूसरे स्थान पर है। दक्षिण अफ्रीका की गाबा टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के हाथों करारी हार के कारण भारत को फायदा हुआ है। दक्षिण अफ्रीका का पीसीटी 54.55 है जबकि ऑस्ट्रेलिया 76.92 पीसीटी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली आगामी घरेलू श्रृंखला भारत के लिए डब्ल्यूटीसी तालिका में चोटी के दो स्थानों पर बने रहने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगी लेकिन वह बांग्लादेश के खिलाफ भी किसी तरह की ढिलाई नहीं बरत सकता जिसने पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में सस्ते पर आउट होने के बाद जुझारूपन दिखाया। नियमित कप्तान रोहित शर्मा अभी अंगूठे की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं और ऐसे में भारतीय एकादश में किसी तरह के बदलाव की संभावना नहीं है। पहले टेस्ट मैच में शुभमन गिल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ियों को सुनहरा मौका मिला था और उन्होंने इसका पूरा फायदा भी उठाया। यदि रोहित मैच के लिए फिट भी हो जाते तब भी गिल को बाहर करना मुश्किल था क्योंकि उन्होंने चटगांव में अपने टेस्ट करियर का पहला शतक लगाया था। लेकिन रोहित फिट नहीं है और ऐसे में गिल एक और मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। राहुल भी पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में असफल रहने के बाद आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेंगे। चटगांव की तरह ही यहां भी पिच के धीमी रहने की संभावना है जो कि बल्लेबाजों के लिए आदर्श स्थिति होगी। ऐसे में राहुल के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला से पूर्व फॉर्म में लौटने का यह शानदार मंच होगा।

हैट्रिक लेने वाली ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हीथर ग्राहम ने कहा: पता नहीं कैसे यह हैट्रिक हो गई

(एजेंसी)

आस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 मैच में 54 रन से आखिरी टी20 मैच जीतकर भारत को श्रृंखला में 4-1 से हराया। भारत के खिलाफ हैट्रिक लेने वाली हीथर ग्राहम ने कहा कि यह श्रृंखला जीतना बहुत बड़ी बात है और इससे आत्मविश्वास बढ़ा है। मैच में हैट्रिक लेने वाली ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाज हीथर ग्राहम ने कहा, 'पता नहीं कैसे यह हैट्रिक हो गई। गेंदबाजों ने हमें शानदार शुरूआत दिलाई। बल्लेबाजी के समय ऐश और ग्रेस ने शानदार खेल दिखाया। मैं अपनी धीमी गेंदों का बखूबी इस्तेमाल करने पर फोकस कर रही थी और उसका फल भी मिला। उन्होंने कहा, 'विश्व कप से पहले यह श्रृंखला जीतना बहुत बड़ी बात है। इससे पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला और विश्व कप के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 196 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत 142 रन पर ऑलआउट हो गया। भारत ने शुरुआती 10 ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करके मैच को अपनी पकड़ में रखा था लेकिन गाडर्नर-हैरिस की विस्फोटक

बल्लेबाजी ने हरमनप्रीत कौर की टीम को मैच से बाहर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10 ओवर में 67/4 था, जबकि गाडर्नर-हैरिस ने 62 गेंदों में 129 रन की विस्फोटक साझेदारी करके टीम को 196/4 के स्कोर तक पहुंचा दिया। इसके जवाब में भारतीय टीम बड़े स्कोर के दबाव में बिखर गई। छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं दीप्ति शर्मा ने 34 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के के साथ 53 रन बनाए लेकिन तब तक मैच भारत के हाथ से निकल चुका था। हीदर ग्राहम ने देविका वैद्या, राधा यादव और रेणुका ठाकुर को आउट करते हुए ऑस्ट्रेलिया के लिए हैट्रिक ली, जबकि पारी की अंतिम गेंद पर उन्होंने दीप्ति का विकेट लेकर भारत को 142 के स्कोर पर ऑलआउट कर दिया।

70 मीटर भाला फेंकना चाहता हूं: पैरा एथलीट सुमित अंतिल

(एजेंसी)

पैरालम्पिक स्वर्ण विजेता और भाला फेंक एफ64 वर्ग में कई बार के रिकॉर्डधारी सुमित अंतिल ने वर्ष 2023 में अपने लिए 70 मीटर को पार करने और सभी पैरा एथलीटों के लिए नया बेंचमार्क स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अंतिल ने पिछले वर्ष टोक्यो पैरालम्पिक खेलों में एफ64 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था और फाइनल में तीन बार विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। अंतिल का ताजा रिकॉर्ड 68.62 मीटर है जो उन्होंने इस वर्ष अगस्त में बेंगलुरु में इंडियन ओपन राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। 70 मीटर के नजदीक पहुंचने के बाद अंतिल ने कहा कि वह इस आंकड़े को छूने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस उपलब्धि को हासिल करने के साथ ही वह सभी पैरा भाला फेंक स्पर्धाओं में 70 मीटर मार्क पार करने वाले पहले एथलीट बन जाएंगे। अंतिल ने गोस्पोर्ट्स एथलीट्स सम्मेलन से इतर कहा, अब तक कोई 70 मीटर पार नहीं कर पाया है जो मेरा अगला लक्ष्य है। मैं इसके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूँ और मेरी टीम, भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल मंत्रालय और गोस्पोर्ट्स फॉउंडेशन के सहयोग से मैं जल्द ही 70 मीटर पार कर जाऊंगा। अंतिल ने अगले वर्ष होने वाली पैरा एथलेटिक्स विश्व कप चैंपियनशिप और एशियाई पैरा खेलों पर अपनी नजरें टिका दी हैं और वह दोनों में स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। हालांकि 2024 में पेरिस में होने वाले पैरालम्पिक खेल उनका अंतिम लक्ष्य हैं जिसमें वह 2021 में टोक्यो में जीते अपने स्वर्ण को बरकरार रखना चाहते हैं।

वीनस विलियम्स को एएसबी क्लासिक के लिए वाइल्ड कार्ड मिला

(एजेंसी)

सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता और पूर्व नंबर-1 वीनस विलियम्स अगले महीने यहां शुरू होने वाले एएसबी क्लासिक में वाइल्डकार्ड एंट्री करेंगी। 42 वर्षीय, जो 2021 में नियमित टूर्नामेंट खेलने से सेवानिवृत्त हुई , उनके पास आस्ट्रेलियन ओपन में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक वाइल्डकार्ड है और तदनुसार ग्रैंड स्लैम इवेंट के लिए एएसबी क्लासिक में एक स्थान की मांग की। विलियम्स ने पांच मौकों पर टूर्नामेंट खेला है, जिसमें 2015 में कैरोलिन वोज्नियाकी पर आकलैंड में उनकी 49 कैरियर जीत में से एक जीत शामिल है। टूर्नामेंट के निदेशक निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, एएसबी क्लासिक में वापसी करने वाले महानतम खिलाड़ियों में से एक को पाकर हम बेहद रोमांचित हैं। उन्होंने आगे कहा, वीनस न केवल खेल के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि न्यूजीलैंड में उन्हें यह पसंद है। जब उसके एजेंट ने हमसे संपर्क किया, तो हमें उन्हें एएसबी क्लासिक में वाइल्डकार्ड देने की पेशकश करके बहुत खुशी हुई।विलियम्स ने कहा कि उन्हें आकलैंड कार्यक्रम में स्थान मांगने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। उन्होंने कहा, मैं आकलैंड में सीजन का अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्सुक हूं। टूर्नामेंट और प्रशंसक हमेशा मेरा स्वागत करते हैं और मैं वहां जनवरी में

प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। आकलैंड में लंबे समय से पसंदीदा विलियम्स 2019 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2015 में फाइनल में कैरोलिन वोज्नियाकी को हराकर खिताब जीता था और 2014 में एना इवानोविक से हारकर उपविजेता भी रहीं। विलियम्स क्षेत्र में तीन अन्य ग्रैंड स्लैम चैंपियन के साथ जुड़ती हैं, जिसमें यूएस ओपन चैंपियंस एम्मा राडुकानू और स्लोएन स्टीफंस तथा आस्ट्रेलियाई ओपन विजेता सोफिया केनिन शामिल हैं। आकलैंड में लंबे समय से पसंदीदा विलियम्स 2019 के बाद पहली बार टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2015 में फाइनल में कैरोलिन वोज्नियाकी को हराकर खिताब जीता था और 2014 में एना इवानोविक से हारकर उपविजेता भी रहीं।

संक्षिप्त समाचार

अमरीका के कोच का पद छोड़ सकते हैं वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर चंद्रपॉल

कैलिफोर्निया। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर शिवनारायण चंद्रपॉल अंडर-19 महिला विश्व कप 2023 के बाद अमरीकी महिला टीमों के मुख्य कोच का पद छोड़ सकते हैं। अमरीका क्रिकेट के सूत्रों ने बताया है कि चंद्रपॉल बोर्ड की वर्तमान स्थिति और पेशेवराना अंदाज की कमी से नाखुश हैं, हालांकि चंद्रपॉल ने फिलहाल खुद कोई बयान जारी नहीं किया है। अमरीका क्रिकेट के एक सूत्र ने कहा, 'यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि चंद्रपॉल ने अंडर-19 विश्व कप के बाद मुख्य कोच की भूमिका से अलग होने का इरादा किया है। एक खिलाड़ी के रूप में उनका अनुभव और एक कोच के रूप में उनकी विशेषज्ञता का बहुत महत्व है, और इसने अमेरिकी महिला टीम के कोच के रूप में उनके शुरुआती कार्यकाल में परिणाम दिखाना शुरू कर दिया था।' उन्होंने कहा, 'अमरीका क्रिकेट का शासी निकाय 2018 के दौरान स्थापना के बाद से कुछ नुकसानों से स्थिर होने की कोशिश कर रहा है। कई कोच, प्रशासक और चुनिंदा स्वतंत्र निदेशक चले गये हैं और इस मोड़ पर शिवनारायण को खोना अमेरिक क्रिकेट के लिए एक बड़ा नुकसान है, इसमें कोई संदेह नहीं।' अमरीका क्रिकेट के बहु-विषयक कोच जतिन पटेल और चंद्रपॉल अटलांटा क्रिकेट लीग (एसीएल) के वार्षिक आयोजन में भाग ले रहे थे, जहां पटेल ने बताया कि चंद्रपॉल अपने कोचिंग कॉन्ट्रैक्ट को समाप्त कर सकते हैं।

भारत और भारतीय उपमहाद्वीप में पेरिस ओलम्पिक का प्रसारण करेगा वायकॉम18

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बुधवार को घोषणा की कि वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पेरिस ओलंपिक खेल-2024 के प्रसारण के लिए विशेष मीडिया अधिकार प्राप्त कर लिए हैं। साथ ही साथ वायकॉम18 ने गैंगवोन में 2024 में होने वाले शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों के नॉनएक्सक्लूसिव प्रसारण अधिकार भी प्राप्त कर लिए हैं और यह इन खेल आयोजन को बांग्लादेश, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और भूटान में फैंस तक पहुंचाएगा। इस समझौते के माध्यम से वायकॉम18 खेलों के मल्टी-प्लेटफार्म कवरेज और रीजन के भीतर फ्री-टू-एयर टेलीविजन कवरेज प्रदान करेगा। आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, भारत और भारतीय उपमहाद्वीप के फैंस वायकॉम18 के साथ हुई इस साझेदारी के माध्यम से ओलंपिक खेलों का जादू देख सकेंगे। एक डायनामिक खेल और मीडिया बाजार के रूप में भारत और उपमहाद्वीप ओलंपिक प्रसारण के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है। और अब यह नया मीडिया अधिकार समझौता हमें इन देशों के फैंस और युवाओं को ओलंपिक खेलों और ओलंपिक मूल्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित करने में मदद करेगा। वायकॉम18 स्पोर्ट्स के सीईओ अनिल जयराज ने कहा, भारतीय एथलीटों के लगातार शानदार प्रदर्शन, पदक जीतने की उनकी प्रेरणादायक कहानियों, बढ़ती खेल संस्कृति और लाखों भारतीय खेल फैंस के लिए अपने विभिन्न गैजेट्स पर शीर्ष स्तर के कंटेंट तक तेजी से बढ़ी पहुंच से भारत में ओलंपिक आंदोलन मजबूत हो रहा है। हमें खुशी है कि हम अपने कई प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रत्येक भारतीय को लाइव ओलंपिक कंटेंट पेश कर सकते हैं।

स्टीव स्मिथ को भरोसा, ऑस्ट्रेलिया का ये दिग्गज करेगा फॉर्म में वापसी

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बुधवार को भरोसा जताया कि खराब फॉर्म के कारण आलोचकों के निशाने पर चल रहे डेविड वॉर्नर जल्द ही बड़ा स्कोर बनाएंगे, क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज जब बुरे दौर से गुजर रहा होता है तब अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब रहता है। वॉर्नर खेल के लंबे प्रारूप में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपना अंतिम शतक लगभग तीन साल पहले लगाया था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच है केवल तीन रन बना पाए थे जिसमें एक गोल्डन डक (पहली गेंद पर आउट होना) भी शामिल है। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच दो दिन के अंदर छह विकेट से जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पूर्व इन गर्मियों में वॉर्नर ने जो चार मैच खेले थे उनमें उन्होंने 5, 48, 21, 28 रन बनाए थे। स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएट प्रेस (एएपी) से कहा,''आपने कुछ सप्ताह पहले ही देखा होगा कि यहां (मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड) इंग्लैंड के खिलाफ वॉर्नर ने 100 रन बनाए थे जबकि उस विकेट पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। उन्होंने कहा,''हमने देखा है कि जब डेविड खराब दौर से गुजर रहा होता है तो वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब रहता है।'' वॉर्नर टी20 विश्वकप से पहले भी इसी तरह खराब फॉर्म में चल रहे थे, लेकिन उन्होंने इस प्रतियोगिता में शानदार

प्रदर्शन करके आस्ट्रेलिया को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी में चुना गया था। स्मिथ ने कहा,''खेल का प्रारूप मायने नहीं रखता क्योंकि डेविड प्रत्येक प्रारूप में एक ही तरह से खेलता है। टेस्ट क्रिकेट में उसके खेल की यही खूबसूरती है कि वह पहली गेंद से ही हावी हो जाता है। कई बार इस तरह की रणनीति नहीं चलती लेकिन पिछले कुछ समय से भाग्य ने भी उसका साथ नहीं दिया।'' ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच सोमवार से शुरू होगा।

केएल राहुल अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल, ईश्वरन को मिल सकता है डेब्यू करने का मौका

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार से ढाका में शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र के दौरान कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल के हाथ में चोट लगने से टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। हालांकि मेहमान टीम को काफी उम्मीद है कि सलामी बल्लेबाज मैच खेलेगा। भारत ने चटगांव में पहला टेस्ट 188 रन से जीता था और 2-0 से क्लीन स्वीप करने की कोशिश के इरादे से मैदान में उतरेगा। भारतीय टीम पहले से ही नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में खेल रही है जो अंगूठे में चोट के कारण श्रृंखला से चूक गए थे। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने संवाददाताओं से कहा, 'यह (गंभीर नहीं) लगता है।' 'ऐसा लगता है कि वह ठीक है। उम्मीद है कि वह ठीक हो जाएगा। डॉक्टर इसे देख रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि वह ठीक हो जाएगा।' अगर राहुल मीरपुर में मैच नहीं खेल पाते हैं तो उप-कप्तान चेतेश्वर पुजारा टीम की कमान संभाल सकते हैं। राहुल की चोट का मतलब सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के लिए टेस्ट डेब्यू हो सकता है जिन्हें रोहित की चोट के बाद टीम में शामिल किया गया था।

टाटा मोटर्स की टियागो के ब्रांड एंबेसडर थे मेसी

नई दिल्ली । अर्जेंटीना को 36 साल बाद फीफा विश्व कप जिताने वाले कप्तान लियोनन मेसी का भारतीय कंपनी टाटा मोटर्स से भी संबंध रहा है। मेसी साल 2016 तक टाटा मोटर्स से जुड़े थे। साल 2016 में मेसी टाटा मोटर्स की कार टियागो उनके ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद ही तेजी से बिकी थी। उस वक्त टाटा टियागो का नाम जिका रखा गया था। उस दौरान दुनियाभर में जीका वायरल फैलने लगा था। तब कंपनी को लगा कि इसका नाम बदलना चाहिए। उस दौरान कार का एक विज्ञापन जमकर लोकप्रिय हुआ। इसमें मेसी भी मौजूद थे। मेसी दो सालों तक टाटा के इस ब्रांड का प्रमोशन करते रहे हालांकि वह अभी इससे नहीं जुड़े हैं पर फीफा विश्व कप में अर्जेंटीना की जीत के बाद एक बार फिर से उनके टाटा के साथ जुड़ने की संभावनाएं बनने लगी हैं। मेसी कई बड़े ब्रांड को प्रमोट करते हैं। उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा ब्रांड प्रमोशन ने आता है। फोर्ब्स के मुताबिक साल 2021-22 के दौरान सिर्फ ब्रांड प्रमोशन से ही उन्होंने 55 मिलियन डॉलर की कमाई की।

Year Ender 2022 : मुक्केबाजी में ऐतिहासिक प्रदर्शन वाला साल, निकहत बनी रिंग की रानी

नई दिल्ली ।

भारत के लिए मुक्केबाजी में वर्ष 2022 ऐतिहासिक प्रदर्शन वाला रहा जिसमें देश को निकहत जरीन के रूप में एक नई स्टार मिली तो दिग्गज एमसी मेरीकॉम को निराशा हाथ लगी। भारत को जहां मुक्केबाजी रिंग में अच्छी सफलताएं मिली वहीं उसे अगले साल होने वाली महिला विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी भी मिली। इस बीच वैश्विक स्तर पर इस खेल की ओलंपिक में मौजूदगी पर आशंका के बादल छाए रहे। कई वर्ष मेरीकॉम के साए में बिताने के बाद निकहत को जब मौका मिला तो उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। उन्होंने उस फ्लाईवेट वर्ग में अपना जलवा दिखाया जिसमें कई वर्षों तक छह बार की विश्व चैंपियन मेरीकॉम का दबदबा रहा था। निकहत ने वर्ष 2022 में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। वह प्रतिष्ठित स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्होंने मेरीकॉम के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्व चैंपियनशिप में खिताब जीता। यह पिछले चार वर्षों में किसी भारतीय का पहला खिताब था। यह 26 वर्षीय मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेलों में खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरी थी और उन्होंने 50 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर निराश भी नहीं किया। निकहत जहां रिंग की रानी बनकर सामने आई वहीं दिग्गज मेरीकॉम के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहा। उन्होंने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों पर ध्यान देने के लिए विश्व चैंपियनशिप और स्थगित किए गए एशियाई खेलों से हटने का फैसला किया था। लेकिन लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और छह बार की विश्व चैंपियन मेरीकॉम ट्रायल्स में नीतू घंघास के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोटिल हो गई और उन्हें राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताब का बचाव करने का मौका नहीं मिला। एशियाई खेल अब अगले वर्ष सितंबर में होंगे और यदि 40 वर्षीय मेरीकॉम फिट रहती हैं तो यह उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। पुरुष मुक्केबाजों ने अमित पंघाल पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में पदक के प्रबल दावेदार थे लेकिन वह शुरू में ही बाहर हो गए थे। रोहतक के इस मुक्केबाज ने हालांकि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। अनुभवी शिव थापा ने भी एशियाई चैंपियनशिप में अपना छठा पदक जीतकर इतिहास रचा। फाइनल में हालांकि चोटिल होने के कारण उन्हें मुकाबले के बीच में से हटकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर सुर्खियां बटोरने वाली लवलीना बोरगोहेन इस साल कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अपनी निजी कोच संध्या गुरंग को 'एक्रीडेशन' नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। यह मामला सुलझने के बाद हालांकि वह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। इस 25 वर्षीय मुक्केबाज ने हालांकि इस निराशा को भुलाकर एशियाई चैंपियनशिप में 75 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। लवलीना इससे पहले 69 किग्रा भार वर्ग में भाग लेती थी लेकिन इसे ओलंपिक से हटा दिया गया है। ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर भी वर्ष 2022 में अटकलें लगाई जाती रही। संचालन संबंधी कई मसलों के कारण लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के शुरुआती खेलों से मुक्केबाजी को हटा दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ इस

खेल को ओलंपिक में वापसी दिलाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने अब भी उमर क्रेमलेव की अगुवाई वाले वर्तमान संघ के कार्यों को लेकर चिंता जताई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए शीतकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी

अहमदाबाद । यात्रियों की सुविधा और उनकी अतिरिक्त संख्या के मद्देनजर पश्चिम रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराए पर शीतकालीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है-

ट्रेन संख्या 04711/04712 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन नंबर 04712 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर जंक्शन स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक रविवार को 19.25 बजे प्रस्थान कर मंगलवार को 00.05 बजे बीकानेर जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 दिसंबर 2022 से 29 जनवरी 2023 तक चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04711 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को बीकानेर से 12.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 15.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 24 दिसंबर 2022 से 28 जनवरी 2023 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली सूरत वडोदरा रतलाम नागदा कोटा सवाई माधोपुर दुर्गापुरा जयपुर रींगस सीकर लछमन गढ़ सीकर फतेहपुर शेखावाटी चूरू रतनगढ़ राजलदेसर और श्री डूंगरगढ़ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर शयनयान श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे ।

ट्रेन संख्या 05637/05638 राजकोट-गुवाहाटी स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 05637 राजकोट-गुवाहाटी स्पेशल शनिवार को राजकोट से 13.15 बजे प्रस्थान कर सोमवार को 20.30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी. यह ट्रेन 31 दिसंबर 2022 और 7 जनवरी 2023 को चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 05638 गुवाहाटी-राजकोट स्पेशल बुधवार को गुवाहाटी से 09.00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 19.10 बजे राजकोट पहुंचेगी। यह ट्रेन 28 दिसंबर 2022 और 4 जनवरी 2023 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सुरेंद्रनगर अहमदाबाद छायापुरी रतलाम नागदा उज्जैन बीना सतना मिर्जापुर पं. दीन दयाल उपाध्याय हाजीपुर बरौनी कटिहार न्यू जलपाईगुड़ी न्यू कूचबिहार और न्यू बोंगाईगांव स्टेशनों पर रुकेगी । इस ट्रेन में एसी 2-टियर एसी 3-टियर शयनयान श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 05301 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल [1 फेरे]

ट्रेन संख्या 05301 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस गुरुवार 22 दिसंबर 2022 को गोरखपुर से 08.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.25 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में खलीलाबाद बस्ती गोंडा ऐश बाग कानपुर सेंट्रल कन्नौज फर्रुखाबाद कासगंज मथुरा अछनेरा भरतपुर कोटा रतलाम वडोदरा सूरत वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में शयनयान श्रेणी के डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 04712 एवं 05637 की बुकिंग 22 दिसंबर 2022 से पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

गुजरात में ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-7 की एन्ट्री

अहमदाबाद। चीन अमेरिका ब्राझील और जापान समेत कई देशों में कोरोना के मामले बढ़ने के बाद भारत सतर्क हो गया है। गुजरात में ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-। की एन्ट्री होने के बाद राज्य सरकार हरकत में आ गई है। अहमदाबाद वडोदरा में बीएफ-। के एक-एक केस सामने आए हैं। वडोदरा के सुभानपुरा में आई 61 वर्षीय एनआरआई महिला की ओमिक्रोन वेरिएन्ट बीएफ-। की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वडोदरा में 3 लोगों का कोन्टेक्ट ट्रेसिंग किया गया है। वहीं अहमदाबाद के गोता क्षेत्र में ओमिक्रोन बीएफ-। का एक केस सामने आया है। दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले फिर एक बढ़ने के बाद भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने देश की सभी राज्य सरकारों को पत्र लिख दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कोरोना के नए केसों के सैम्पल का जिनोम सिक्वसिंग करने और नए वेरिएन्ट पर नजर रखने का आदेश दिया गया है। केन्द्र सरकार के आदेश के बाद गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें वैक्सीनेशन समेत मुद्दों पर चर्चा की गई। गौरतलब है गुजरात में कोरोना के नए मामले लगातार घट रहे हैं। बीते दिन यानी 20 दिसंबर को राज्य में केवल 2 नए मामले सामने आए थे।जबकि सक्रिय मरीजों की संख्या मात्र 20 थी। 20 दिसंबर को एक केस अहमदाबाद और दूसरा बनासकांठा में दर्ज हुआ था। जबकि आज 6 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया।

मातृभूमि विद्यालय में "गुड टच - बैड टच" पर सेमिनार का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली स्थित मातृभूमि विद्यालय गुजराती माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम के बच्चों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य था कि बच्चे अपनी सुरक्षा स्वयं कैसे करें ? इसलिए मुख्य मेहमान के तौर पर डिंडोली पुलिस स्टेशन की सी. टीम, रामा मार्शल आर्ट ग्रुप के ग्रुप के मोटिवेशनल स्पीकर मुकेश राठौर तथा डॉ अनिल भाई बढ़िया विद्यालय में उपस्थित होकर कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों को गुड टच बैड टच तथा महिला संरक्षण तालीम (सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग)दी।

किरण हॉस्पिटल फेज-2 का उद्घाटन समारोह रक्तदाताओं के हाथों से होगा

सूरत भूमि, सूरत।

किरण अस्पताल के पहले चरण का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया गया। परोपकारी रक्तदाताओं के सम्मान में 22 जनवरी 2023 को किरण अस्पताल के फेज-2 का उद्घाटन किया जाएगा। 15 जनवरी 2023 तक दो बार से अधिक रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पंजीकृत रक्तदाताओं में से ड्रो कराकर 3 भाई और 3 बहनों का नाम का चयन किया जाएगा।

फेज-2 अस्पताल चयनित रक्तदाताओं के आशीर्वाद से खुलेगा। यदि आप रक्तदाता हैं तो अस्पताल खोलने का यह उत्कृष्ट कार्य आपके हाथों से हो सकता है इस लिए आप www.kiranhospital.com पर रजिस्टर करें। किरण अस्पताल ब्लड बैंक रक्तदाताओं के सम्मान में दक्षिण गुजरात के किसी भी अस्पताल में भर्ती मरीजों को मुफ्त रक्त प्रदान करता है।

किरण अस्पताल के चेअरमेन मथुरभाई सवाणी ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि किरण अस्पताल का उद्देश्य देश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करना है। पिछले 6 वर्षों में 21 लाख से अधिक रोगियों ने किरण अस्पताल की सेवाओं का लाभ उठाया है। इलाज करने वाले मरीज बहुत खुश हुए और उन्होंने बार-बार किरण अस्पताल के उत्कृष्ट इलाज की तारीफ की है। इसलिए किरण अस्पताल के सभी विभागों में इलाज कराने वालों की क्लास इतनी बढ़ गई कि अस्पताल की 550 बिस्तर वाली व्यवस्था सिकुड़ने लगी है। इसलिए अतिरिक्त 350 बिस्तरों के साथ 900 बिस्तर उपलब्ध कराए गए। सूरत की धरती पर कभी नहीं हुए ऐसे ऑपरेशन किरण अस्पताल में हो रहे हैं। किरण अस्पताल में जटिल बीमारियों के इलाज के लिए 43 विभाग सक्षम हैं।

पी पी सवानी ग्रुप के आंगन से 300 अनाथ बेटियों की उठेगी डोली

अब तक लगभग 4572 बेटियों की शादी हो चुकी है

पीपी सवानी परिवार द्वारा अब तक करीब 4572 बेटियों की शादी की जा चुकी है। पिछले एक दशक से बिना रुके जल रहे इस सेवायज्ञ से कई लोग प्रेरित हुए हैं और ऐसे कई विवाह समारोह पूरे गुजरात और अन्य राज्यों में भी आयोजित किए जा रहे हैं। हर वर्ष की भांति पिता विहीन बेटियों के भव्य विवाह समारोह की शुरुआत करने वाला पीपी सवानी ग्रुप अगले 24 व 25 दिसंबर शनिवार-रविवार को शाम 5 बजे पीपी सवानी चैतन्य विद्यासंकुल, अब्राम में 300 बेटियों का विवाह कराएगा। दोनों दिन 150-150 शादियां होंगी

सूरत भूमि, सूरत।

हर साल की तरह इस बार भी पीपी सवानी ग्रुप की ओर से 24 व 25 दिसंबर को 300 बेटियों की शादी कराई जाएगी, जिसने पिता विहीन बेटियों के भव्य विवाह समारोह की शुरुआत की है। दिकरी जगत जननी के नाम से आयोजित इस भव्य विवाह समारोह में मुख्यमंत्री, कैबिनेट और राज्य मंत्रियों समेत कई राजनीतिक गणमान्य लोग भी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर स्वैच्छिक अंगदान का संकल्प लेकर एक लाख से अधिक लोग दर्ज कराएंगे अनोखा कीर्तिमान । साथ ही अनाथ, विकलांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर 1000 जरूरतमंद छात्रों के लिए "विद्यार्थी दत्तक योजना" प्रारंभ की जायेगी।

पी.पी.सवानी ग्रुप 2012 से करा रहा है सामुहिक विवाह: 2012 में शुरू हुई इस पवित्र विवाह यात्रा में विवाह पांच फेरों का, संबंध युगोयुग के, भावनाओं का रोपण, एक बेटी की संवेदना, दिकरी दिलनो दिवो , पारेवड़ी, लडकड़ी, पानेतर, महीयरनी चुंदड़ी और अब च्बेटी जगत जननीज शामिल होंगी। इनमें से किसी भी नाम का परिचय देने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सभी जानते हैं कि ये सभी खिताब पीपी सवानी द्वारा पिताविहीन बेटियों के सामूहिक विवाह से संबंधित हैं। और इस तरह पीपी सवानी के महेश

सवानी उन हजारों बेटियों के पालक पिता बन गए हैं जो अब तक अपने पिता की छत्रछाया खो चुके हैं।

सवानी परिवार के दो बेटों की शादी होगी: इसी सामुहिक शादी समारोह में 25 दिसंबर को सवानी परिवार के दोनों बेटों स्नेह राजूभाई सवानी और मोनार्क रमेशभाई सवानी की भी शादी होगी। इस वर्ष सेवा के इस नेक कार्य में सहभागी के रूप में पीपी सवानी परिवार को जाह्नवी लैबग्रोन ग्रुप के लखानी परिवार भी जुडा है।

1000 विद्यार्थियों के लिए "विद्यार्थी दत्तक योजना" प्रारंभ की जायेगी: पीपी सवानी परिवार लेने जा रहा है एक नया क्रांतिकारी कदम। इस बारे में जानकारी देते हुए पी.पी. सवानी परिवार के रमेश और राजू सवानी ने कहा कि सीएफई-कोटा के साथ मिलकर अनाथ, विकलांग या आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 1000 बच्चों को गोद लेकर मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए जैसी उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत विवाह समारोह के दौरान की जाएगी। एक साथ इतने बच्चों को गोद लेकर तैयारी करना भी एक ऐतिहासिक कदम है।

11 बेटियों की शादी जिवानी परिवार करेगा: महेशभाई सवानी के सेवा कार्य की सुगंध चारों ओर फैल रही है, जिससे कई लोग प्रेरित हो रहे हैं और सेवा यज्ञ में शामिल हो रहे हैं। 300 बेटियों के इस सामूहिक विवाह में गरियाधर की 11 बेटियों की सभी स्वैच्छिक जिम्मेदारी और खर्चे जालपा डायमंड के वल्लभभाई जिवानी उठाएंगे। इन सभी बेटियों की शादी भी जिवानी परिवार करेगा।

एक लाख से अधिक लोग स्वैच्छिक अंगदान करेंगे: "दिकरी जगत जननी" के नाम से आयोजित यह कार्यक्रम कई मायनों में खास होने वाला है। आज आयोजित पत्रकार वार्ता में पी. पी. सवानी ग्रुप के महेश सवानी ने कहा कि इस साल हम ऑर्गन डोनेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, डोनेट लाइफ फाउंडेशन और जीवनदीप ऑर्गन डोनेशन फाउंडेशन के सहयोग से अंगदान संकल्प का अनूठा कार्यक्रम करने जा रहे हैं। जिसमें एक लाख लोग अंगदान का संकल्प लेंगे। अंगदान जागरूकता और अंगदान प्रतिज्ञा पर हम पहले ही सहमत हो चुके हैं। साथ ही परिवार के वे सदस्य जिनके परिवार से अंग दान किया गया है या अंगदान प्राप्त किया है, इस विवाह समारोह में दीप प्रज्वलित करेंगे। एक लाख लोगों का एक जगह अंगदान का संकल्प लेना एक नया कीर्तिमान बन जाएगा और यह सूरत के नाम एक और उपलब्धि होगी।

विधवा बहनों को अब मिलेगा 7500 का मुआवजा

सेवा संगठन पीपी सवानी की विवाहित बेटी और दामाद द्वारा शुरू किया गया एक समूह है। जिसमें अब कई लोग जुड़ चुके हैं और कोई भी मिस्ड कॉल करके जुड़ सकता है। सेवा संस्था में सदस्य की मृत्यु होने पर विधवा बेन को प्रतिमाह 5000 रुपये पेंशन दी जाती थी जिसे बढ़ाकर अब पेंशन अब 7500 रुपये होगी। सेवा संस्था अपने सदस्य एवं परिवार के लिए विधवा सहायता, चिकित्सा सहायता, शिक्षा सहायता, पुत्री विवाह, बीमा, ऋण जैसे अनेक कार्य प्रदान करती है।

नो लाइसेंस, नो म्यूजिक लाइसेंस और इस नए साल में पीपीएल म्यूजिक चलाने वाले कॉपीराइट उल्लंघनकर्ताओं पर बॉम्बे हाई कोर्ट की रेड आई

दिसंबर 2022 में, बॉम्बे हाईकोर्ट ने बिना लाइसेंस के फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड के संचालन के लिए होटल, रिसॉर्ट, लाउंज, पब आदि सहित व्यक्तिगत संस्थाओं के खिलाफ आदेश जारी किए। (PPL) कॉपीराइट संरक्षित ध्वनि रिकॉर्डिंग के उपयोग पर रोक लगाता है।

क्लब, ज़ेको मीडिया एलएलपी (डिस्कवर रिसॉर्ट्स), डिजी1 इलेक्ट्रॉनिक्स, द बार स्टॉक एक्सचेंज, स्नो वर्ल्ड एंटरटेनमेंट, अड्यार गेट होटल्स, बैक हॉस्पिटैलिटी, सिद्धिविनायक हॉस्पिटैलिटी, एफएमएल हॉस्पिटैलिटी, साई सिल्क (कलामंदिर), अंबुजा नेवतिया होल्डिंग्स, जीआरटी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स और पूरे देश में उनके आउटलेट हैं।

हाल के न्यायालय के आदेश बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह आदेश सभी संगीत के उपयोग पर लागू होता है, जिसमें नए साल की पूर्व संध्या, क्रिसमस और किसी अन्य कार्यक्रम या पूरे वर्ष सार्वजनिक स्थानों पर बजाए जाने वाले संगीत शामिल हैं।

80 साल पुरानी पीपीएल इंडिया एक म्यूजिक लाइसेंसिंग कंपनी है, जिसके पास 350 से ज्यादा म्यूजिक लेबल्स के ग्राउंड परफॉर्मेंस राइट्स हैं, जो कई भाषाओं जैसे हिंदी,तेलुगु, कन्नड़, हरियाणवी, भोजपुरी, अंग्रेजी, पंजाबी, तमिल, 4 मिलियन से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय साउंड रिकॉर्डिंग को नियंत्रित करते हैं।

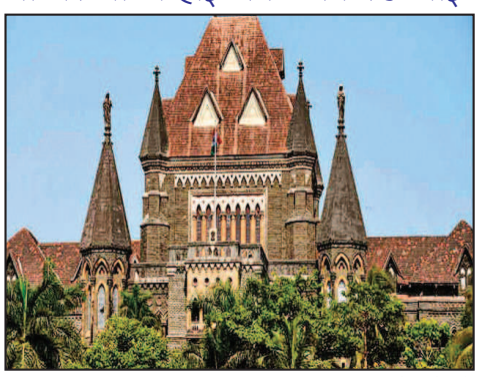

आदित्य म्यूजिक, आनंद ऑडियो, डिवो, दिलजीत दोसांझ, लहरी म्यूजिक, सारेगामा, सोनी म्यूजिक, सोनोटेक, टी-सीरीज, टाइम्स म्यूजिक, यूनिवर्सल म्यूजिक, वार्नर म्यूजिक जैसे कुछ सबसे बड़े रिकॉर्ड लेबल के जमीनी उपयोग अधिकारों को नियंत्रित करता है।

वाणिज्यिक संगठनों को दो प्रकार के लाइसेंस प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, एक साल भर कॉपीराइट गाने चलाने के लिए और दूसरा नए साल के कार्यक्रमों जैसे क्रिसमस, वेलेंटाइन डे, होली या कॉर्पोरेट इवेंट्स आदि के लिए जो लोगों को जश्न मनाने में मदद करते हैं।

लाइफस्टाइल ने सीजन की अपनी बहुप्रतीक्षित बिक्री की घोषणा की

लेटेस्ट ट्रेंड्स के लिए भारत की अग्रणी फैशन डेस्टिनेशन लाइफस्टाइल ने अपनी बहुप्रतीक्षित सेल की घोषणा आज से लाइव होने जा रही है। लाइफस्टाइल सेल में खरीदारी करने वाले ग्राहक शीर्ष फैशन ब्रांडों की नवीनतम शैलियों पर 50त्न तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं।

लाइफस्टाइल कलेक्शन सरासर ग्लैम है, जिसमें स्टेटमेंट मेकिंग सिलुएट्स, प्रिंट्स और बोल्ड ह्यूज का बोलबाला है। महिलाओं के लिए सीक्विन और शिमर ड्रेस की व्यापक रेंज और पार्टी जैकेट की एक विस्तृत श्रृंखला, एथलेजर में रिफ्लेक्टिव प्रिंट और आकर्षक छूट पर पुरुषों के लिए स्टेटमेंट ग्राफिक्स के साथ तैयार, फैशनपरस्त इस पार्टी सीजन में निश्चित रूप से गर्मी बढ़ा सकते हैं।

लाइफस्टाइल सेल आपको लेवी, वेरो मोडा, मेबेलिन, जैक एंड जोन्स, पेपे, मेलेंज, कप्पा, वैन ह्यूसेन, एंड, बिबा, स्केचर्स, कोड, फोर्का, एलन सोली, बेगिट, टाइटन, फॉसिल, कैटवॉक और जैसे सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रदान करती है। और भी बहुत कुछ। और अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों पर अनूठा ऑफर ला रहा है।

खरीदार आकर्षक कीमतों पर परिधान, सौंदर्य, घड़ियां, सुगंध, जूते, हैंडबैग और सहायक उपकरण जैसी मौसमी आवश्यक वस्तुओं के साथ अपने वार्डरोब को स्टाइल देने के इच्छुक हैं।

आईसीआईसीआई और वन कार्ड क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए भी एक विशेष पेशकश है, जिन्हें क्रमश: 7500/- और 3500/- की न्यूनतम खरीदारी पर 10% की तत्काल छूट मिलती है। पेटीएम यूजर्स 2999 रुपये और उससे अधिक की खरीदारी पर 750 रुपये तक का कैशबैक पा सकते हैं

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)